



5 भाजपा के चुनाव जीतने के बाद बंगाल में कोई घुसपैट नहीं कर पाएगा : अमित शाह

6 क्या फिलहाल युद्ध का खतरा टला?

7 ओटीडी के दौर में बदला भारतीय सिनेमा का चेहरा : पल्लवी चटर्जी



दक्षिण भारत राष्ट्रमत | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बंगलूर और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

फ़र्स्ट टेक

इन्फोसिस का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 21 प्रतिशत बढ़कर 8,501 करोड़ रुपए नई दिल्ली/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 20.8 प्रतिशत बढ़कर 8,501 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए आय में 1.5 से 3.5 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया है। यह उम्मीद विपरीत सेवाओं, जन उपयोगी सेवाओं और कृत्रिम मेधा आधारित सेवाओं में बढ़ती मांग पर आधारित है। कंपनी प्रबंधन ने कहा कि वर्ष की शुरुआत अच्छी रही, हालांकि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण आर्थिक माहौल में कुछ बदलाव देखने को मिला, लेकिन अब स्थिति धीरे-धीरे स्थिर होती दिख रही है।

फ्रांस ने अपने हवाई अड्डों से भारतीयों के लिए वीजा-मुक्त पारगमन शुरू किया नई दिल्ली/भाषा। हवाई मार्ग से होकर फ्रांस से गुजरने वाले भारतीयों को अब पारगमन वीजा की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि फ्रांसीसी सरकार ने इस आवश्यकता को समाप्त करने के लिए एक समझौते को लागू कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में यह घोषणा करते हुए कहा कि भारत इस कदम का स्वागत करता है। बाद में विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि फ्रांस के यूरोपीय क्षेत्र से होकर गुजरने वाले भारतीय नागरिकों के लिए वीजा-मुक्त पारगमन की व्यवस्था अब फ्रांसीसी सरकार द्वारा लागू कर दी गई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति इमरनुएल मैक्रॉन द्वारा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यूरोपीय संघ ने यूक्रेन के लिए 106 अरब डॉलर का ऋण मंजूर किया ब्रसेल्स/एपी। हंगरी द्वारा अपना 'वीटो' वापस लेने के बाद, यूरोपीय संघ ने बृहस्पतिवार को यूक्रेन को अगले दो वर्षों के लिए उसकी आर्थिक और सैन्य जरूरतों को पूरा करने में मदद के वार्षिक 106 अरब अमेरिकी डॉलर के ऋण पैकेज को मंजूरी दे दी। यूरोपीय संघ (ईयू) ने यूक्रेन पर रूस के युद्ध को लेकर उसके खिलाफ नए प्रतिबंधों को भी मंजूरी दे दी है। इन उपायों को इस साल की शुरुआत में तैयार किया गया था और संघर्ष का चौथा साल पूरा होने पर फरवरी में इनकी घोषणा की जानी थी, लेकिन हंगरी और स्लोवाकिया ने इस कदम का विरोध किया। जनवरी में पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के बाद रूस द्वारा यूरोपीय संघ के इन दोनों देशों को तेल की आपूर्ति रोक दिए जाने के चलते हंगरी और स्लोवाकिया का यूक्रेन के साथ विवाद हो गया था।

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु में आजादी के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान

पश्चिम बंगाल में प्रथम चरण में दर्ज किया गया 91.78 प्रतिशत मतदान

तमिलनाडु में दर्ज किया गया 84.69 प्रतिशत मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल में 91.78 प्रतिशत और तमिलनाडु में 84.69 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो स्वतंत्रता के बाद से विधानसभा चुनावों में इन दोनों राज्यों में अब तक का सबसे उच्चतम मतदान प्रतिशत है।

तमिलनाडु में जहां एक ही चरण में चुनाव हुए, वहीं पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान होगा। बंगाल में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। नौ अप्रैल को असम और पुडुचेरी ने क्रमशः 85.38 प्रतिशत और 89.83 प्रतिशत मतदान दर्ज करके, इन दोनों राज्यों में अब तक की सबसे अधिक चुनावी भागीदारी का रिकॉर्ड तोड़ा था। निर्वाचन आयोग (ईसी) के



दोनों राज्यों में, पुरुषों की तुलना में महिला मतदाताओं ने अधिक संख्या में अपने मतदाताओं का प्रयोग किया।

अनुसार, इससे पहले तमिलनाडु में सबसे अधिक मतदान प्रतिशत 78.29 प्रतिशत (2011 के विधानसभा चुनाव) और पश्चिम बंगाल में 84.72 प्रतिशत (2011) था। दोनों राज्यों में, पुरुषों की तुलना में महिला मतदाताओं ने

मतदान केंद्रों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जबकि पुरुषों का प्रतिशत 90.92 रहा। मतदान में हुई प्रभावशाली भागीदारी पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने कहा, स्वतंत्रता के बाद से पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अब तक के सबसे अधिक मतदान प्रतिशत के लिए, निर्वाचन आयोग दोनों राज्यों के प्रत्येक मतदाता को सलाम करता है।

भाजपा ने तमिलनाडु में मतदान में हुई भारी वृद्धि का श्रेय एसआईआर को दिया

चेन्नई/भाषा। भाजपा नेता नारायणन तिरुपति ने बृहस्पतिवार को कहा कि तमिलनाडु में मतदान में हुई वृद्धि का श्रेय निर्वाचन आयोग के सुधारों को जाता है और यह उच्च मतदान प्रतिशत मजबूत लोकतांत्रिक भावना को दर्शाने के साथ ही राज्य के लिए जीत का एक आत्मविश्वासपूर्ण मार्ग भी दिखाता है। तिरुपति ने 'पीटीआई-सीडीयो' से कहा, "इसका पूरा श्रेय एसआईआर (मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण) को जाता है। भारत निर्वाचन आयोग प्रशंसा का पात्र है। हमने बिहार, असम, पश्चिम बंगाल, केरल और अब पुडुचेरी तथा तमिलनाडु में यह देखा है। इसलिए, उसे पूरा श्रेय जाता है।" उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पहले इन सुधारों का विरोध किया था, उन्हें अब खुद को 'शर्मिदा' महसूस करना चाहिए क्योंकि नागरिकों ने "बहुत बड़ी संख्या में" अपने मतदाधिकार का प्रयोग किया है।



बंगाल में मतदान के आंकड़े 'परिवर्तन के लिए शानदार जनादेश': मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए प्रथम चरण के चुनाव के तहत बृहस्पतिवार को 152 सीटों पर मतदान हुआ। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के तहत 90 लाख से अधिक नाम मतदाता सूचियों से हटाने के बाद यह चुनाव हो रहा है। मोदी ने रैली में कहा, "बंगाल में पिछले 50 वर्षों के चुनावी इतिहास में यह पहली बार है कि हिंसा की घटनाएं न्यूनतम रही। मतदान के बारे में अब तक मुझे जो जानकारी मिली है, उससे मुझे पूरा विश्वास है कि यह बंगाल के मतदाताओं द्वारा बदलाव के पक्ष में एक शानदार जनादेश होगा।"

राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए प्रथम चरण के चुनाव के तहत बृहस्पतिवार को 152 सीटों पर मतदान हुआ। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के तहत 90 लाख से अधिक नाम मतदाता सूचियों से हटाने के बाद यह चुनाव हो रहा है। मोदी ने रैली में कहा, "बंगाल में पिछले 50 वर्षों के चुनावी इतिहास में यह पहली बार है कि हिंसा की घटनाएं न्यूनतम रही। मतदान के बारे में अब तक मुझे जो जानकारी मिली है, उससे मुझे पूरा विश्वास है कि यह बंगाल के मतदाताओं द्वारा बदलाव के पक्ष में एक शानदार जनादेश होगा।"

लोकतंत्र में भागीदारी करें युवा

राजनीति से दूर रहकर देश का भला नहीं होगा : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को कहा कि युवाओं को लोकतंत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए क्योंकि राजनीति से दूर रहकर देश का भला संभव नहीं है तथा अच्छे लोगों का लोकतांत्रिक संस्थाओं में आना जरूरी है। बिरला ने दिल्ली विश्वविद्यालय के दो महाविद्यालयों किरोड़ीमल कॉलेज और महाराज अग्रसेन कॉलेज में अलग-अलग कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्ति तक सीमित न रखते हुए उसे सामाजिक उत्तरदायित्व, समावेशिता तथा चरित्र निर्माण का सशक्त माध्यम बनाया जाना चाहिए। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे अपनी आकांक्षाओं को व्यापक



राष्ट्रीय दृष्टि के साथ समन्वित करें तथा लोकतंत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। लोकसभा अध्यक्ष का कहना था कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 आलोचनात्मक चिंतन तथा शैक्षणिक लचीलेपन को प्रोत्साहित करते हुए एक परिवर्तनकारी युग का सूत्रपात कर रही है। उन्होंने कहा कि ज्ञान और कौशल निरसंदेह आवश्यक हैं, किन्तु इनके साथ सुदृढ़ नैतिक मूल्यों, सत्यनिष्ठा और धैर्य का समावेश भी करना ही अनिवार्य है, जिससे स्थायी और सार्थक सफलता सुनिश्चित की जा सके। बिरला ने इन

रोशल मीडिया पर विवादित रीपोस्ट के बाद ट्रंप ने कहा,

बाद ट्रंप ने कहा, भारत महान देश

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक विवादित सोशल मीडिया रीपोस्ट के बाद बृहस्पतिवार को स्पष्टीकरण से मामले को संभालने की कोशिश की। अमेरिका की ओर से कहा गया कि राष्ट्रपति ट्रंप का मानना है कि भारत एक 'महान' देश है, जिसका नेतृत्व उनके 'अच्छे मित्र' कर रहे हैं। अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा, "राष्ट्रपति ने कहा है कि भारत एक महान देश है, जिसके शीर्ष पर उनके बहुत अच्छे मित्र हैं।" प्रवक्ता का यह बयान भारतीय मीडिया के उन सवालों के जवाब में आया, जिनमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सोशल मीडिया पर की गई एक रीपोस्ट से पैदा हुए विवाद के बारे में पूछा गया था। उस रीपोस्ट में रेडियो शो होस्ट माइकल सेडेज की टिप्पणियां शामिल थीं, जिसमें भारत, चीन और कुछ अन्य देशों को "नरक" कहा गया था। प्रवक्ता ने यह स्पष्ट नहीं किया कि ट्रंप ने भारत को एक महान देश बताने वाली टिप्पणी कहाँ और कब की थी।

सहानुभूति व सत्यनिष्ठा से सेवा करें चिकित्सा पेशेवर : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

ऋषिकेश/भाषा। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने बृहस्पतिवार को कहा कि स्वास्थ्य सेवा जनहित का विषय है और चिकित्सा पेशेवरों को सहानुभूति, सत्यनिष्ठा तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता के साथ अपनी सेवाएं देनी चाहिए। उन्होंने यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)-ऋषिकेश के छठे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि चिकित्सा पेशेवरों की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। राधाकृष्णन ने निवारक देखभाल, ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच, अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से योगदान देने तथा सेवा के मूल्यों से प्रेरित रहने का आह्वान किया। राधाकृष्णन ने कहा कि दीक्षांत समारोह वर्षों के परिश्रम और अनुशासन की परिणति होने के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के प्रति भी जिम्मेदारी की शुरुआत भी है। उन्होंने स्नातकों से समर्पण और उद्देश्य की भावना के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का आग्रह किया।



पिछले एक दशक में देशभर, विशेषकर वंचित क्षेत्रों में नए एम्स संस्थानों की स्थापना से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा तक पहुंच मजबूत हुई है।

कोविड-19 महामारी का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में 140 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त टीके लगाए गए, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित हुई। उन्होंने बताया कि वैश्विक जिम्मेदारी के तहत 100 से अधिक देशों को भी टीके उपलब्ध कराए गए, जो सुवर्ण कुटुंबकम की भावना को दर्शाता है और एक दयालु व जिम्मेदार वैश्विक साझेदार के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करती है। स्वास्थ्य अवसररचना के विस्तार पर उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में देशभर, विशेषकर वंचित क्षेत्रों में नए एम्स संस्थानों की स्थापना से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा तक पहुंच मजबूत हुई है।

कोविड-19 महामारी का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में 140 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त टीके लगाए गए, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित हुई। उन्होंने बताया कि वैश्विक जिम्मेदारी के तहत 100 से अधिक देशों को भी टीके उपलब्ध कराए गए, जो सुवर्ण कुटुंबकम की भावना को दर्शाता है और एक दयालु व जिम्मेदार वैश्विक साझेदार के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करती है। स्वास्थ्य अवसररचना के विस्तार पर उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में देशभर, विशेषकर वंचित क्षेत्रों में नए एम्स संस्थानों की स्थापना से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा तक पहुंच मजबूत हुई है।

भारत-अफ्रीका साझेदारी अशांत विश्व में स्थिरता का संदेश देगी : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऐसे वक्त में जब दुनिया जटिल भू-राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रही है, भारत-अफ्रीका साझेदारी का विशेष महत्व है और यह एक अशांत और अनिश्चित दुनिया में 'स्थिरता' तथा 'विश्वसनीयता' का संदेश देगी। जयशंकर ने आगामी 'भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन-4' के लोगो, थीम और वेबसाइट के अनावरण के अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और अफ्रीका न केवल विकास साझेदार हैं, बल्कि "एक बेहतर दुनिया को आकार देने में भी साझेदार" हैं। उनकी ये टिप्पणियां दुनिया के विभिन्न हिस्सों में हो रहे कई संघर्षों की पृष्ठभूमि में आई हैं, जिनमें पश्चिम एशिया का संघर्ष भी शामिल है जो 50 से अधिक दिन से जारी है और वैश्विक स्तर पर असर डाल रहा है। आगामी शिखर सम्मेलन के



लोगों में भारत और अफ्रीका के आपस में जुड़े हुए मानचित्रों को दर्शाने वाली छवि पर एक शेर की आकृति अंकित है। इसका विषय 'स्थायी साझेदारी साझा दृष्टिकोण' है और शिखर सम्मेलन 28 से 31 मई तक होगा। विदेश मंत्री ने कहा, "ऐसे वक्त में जब दुनिया जटिल भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही है, हमारी साझेदारी का विशेष महत्व है। यह अशांत दुनिया में स्थिरता, अनिश्चितता में विश्वसनीयता और कठिन समय में एकजुटता का संदेश होगा।" इस कार्यक्रम में विभिन्न अफ्रीकी देशों के कई राजदूतों और राजनयिकों ने भाग लिया।

पिछली बीजद सरकार ने पूरी मंदिर के रत्न भंडार की चाबियों में हेराफेरी की थी : ओडिशा के मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

धुवनेश्वर/भाषा। पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की सुरक्षा को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) के बीच राजनीतिक घमासान बृहस्पतिवार को और तेज हो गया। कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने मूल चाबी खो जाने के बाद खजाने की जाली चाबी बनवाई



थी। हरिचंदन की ये टिप्पणी बीजद के वरिष्ठ नेता प्रणव प्रकाश दास द्वारा सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने भाजपा पर 2024 के लोकसभा चुनावों और राज्य विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करने के लिए मंदिर और उसके रत्न भंडार का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। दास ने कहा कि जब बीजद राज्य में सत्ता में था, तब भाजपा नेताओं ने यह दावा करके लोगों को गुमराह किया था कि रत्न भंडार में भगवान जगन्नाथ के आभूषण असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, "युवाव जीतने के लिए महाप्रभु के नाम पर राजनीति करने वाले भाजपा नेता अब बेनकाब हो गए हैं। ओडिशा की जनता उन्हें जवाबदेह ठहराएगी।" इससे कुछ दिन पहले श्री

जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने कहा था कि वर्तमान सूची और 1978 के रिकॉर्ड में अब तक कोई विसंगति नहीं मिली है। दास के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए हरिचंदन ने कहा कि भाजपा ने भगवान जगन्नाथ के प्रति सम्मान के कारण इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने से परहेज किया है। मंत्री ने कहा, "आम हम रत्न भंडार पर सवाल उठाएंगे तो बीजद सदस्य चुपची साध लेंगे। खजाने की असली चाबी कहां है? चाबियां गायब थीं। फिर बीजद सरकार ने चाबियों की जालसाजी की।"

जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने कहा था कि वर्तमान सूची और 1978 के रिकॉर्ड में अब तक कोई विसंगति नहीं मिली है। दास के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए हरिचंदन ने कहा कि भाजपा ने भगवान जगन्नाथ के प्रति सम्मान के कारण इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने से परहेज किया है। मंत्री ने कहा, "आम हम रत्न भंडार पर सवाल उठाएंगे तो बीजद सदस्य चुपची साध लेंगे। खजाने की असली चाबी कहां है? चाबियां गायब थीं। फिर बीजद सरकार ने चाबियों की जालसाजी की।"

एनसीबी ने मालदीव जाने वाले भारतीयों को आगाह किया

नई दिल्ली/भाषा। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने मालदीव की यात्रा पर जाने वाले भारतीयों को बृहस्पतिवार को उस देश में मादक पदार्थों से संबंधित कानूनों में हुए नए बदलावों को लेकर आगाह किया, जिसमें मृत्युदंड तक का प्रावधान शामिल है। एनसीबी ने कहा कि नए कानूनों के मद्देनजर मालदीव की यात्रा करने वाले भारतीयों अपने साथ ले जाए जाने वाले सामान को लेकर बेहद सतर्कता बरतें।

पाकिस्तान को लश्कर और जैश जैसे आतंकवादी समूहों पर नकेल कसनी चाहिए : अमेरिकी सांसद

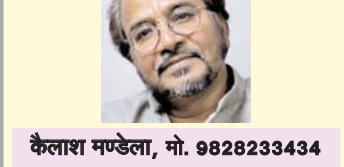
वॉशिंगटन/भाषा। अमेरिकी सांसद ब्रेंड शेरेमैन ने पाकिस्तान से लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकवादी समूहों पर नकेल कसने की मांग की है। इस आतंकवादी संगठन का संबंध 2025 के पहलगाम आतंकी हमले से बताया जाता है। भारतीय दूतावास ने आतंकवाद की मानवीय कीमत शीर्षक वाली एक प्रदर्शनी आयोजित की है जिसमें शैरेमैन ने बुधवार को यह बात कही। उन्होंने पहलगाम हमले की पहली बरसी पर उन 26 निर्दोष लोगों को याद किया जिन्हें आतंकवादियों ने मौत के घाट उतार दिया था। शेरेमैन ने बुधवार को कहा, "द रेजिस्टेंस फोर्स के हमलावरों ने निर्दोष लोगों को निशाना बनाया और कथित तौर पर पीड़ितों को धर्म के आधार पर अलग किया। इस समूह को व्यापक रूप से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ माना जाता है, जिसे पाकिस्तान में पनाह मिली हुई है।"

24-04-2026 25-04-2026 सूर्योदय 6:33 बजे सूर्यास्त 6:01 बजे

BSE 77,664.00 (-852.49) NSE 24,173.05 (-205.05)

सोना 15,810 रु. (24 रुके) चांदी 255,529 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला दक्षिण भारत राष्ट्रमत दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी पत्रिका epaper.dakshinbharat.com



सर्वधर्म समभाव अगर सभी पढ़ कर समझें, रामायण बाइबिल और कुुरान। गुणवत्ता का भी करें पाठ, महावीर बुद्ध पर धरें ध्यान। समझें यदि सबका सार तत्व, वैदिक वैज्ञानिक सोच जान। सभभाव और समरसता से, जानें भारत है क्यों महान।।

रेली दक्षिण भारत राष्ट्रमत



भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महिला मोर्चा की हिमाचल प्रदेश इकाई की अध्यक्ष डेजी ठाकुर ने सोमवार को विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण संविधान संशोधन विधेयक के खिलाफ मतदान करने को लेकर जमकर निशाना साधा और विधेयक के गिर जाने के दिन को 'लोकतांत्रिक इतिहास का काला दिन' करार दिया। भाजपा के महिला मोर्चे द्वारा विपक्षी दलों द्वारा विधेयक के खिलाफ मतदान करने के विरोध में पदयात्रा आयोजित की गई थी। इस गैरी में हजारों महिलाओं ने भाग लिया। इस रैली में भाजपा की हिमाचल प्रदेश इकाई के अध्यक्ष राजीव बिंदल, प्रदेश प्रभारी श्रीकांत शर्मा, सह-प्रभारी संजय टंडन और विपक्ष के नेता जय राम ठाकुर भी मौजूद थे।

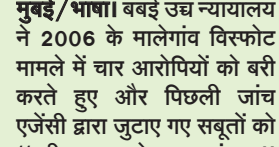
‘व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी’ से मिली जानकारी को स्वीकार नहीं कर सकते : न्यायालय ने शबरिमला मामले पर कहा



दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

शामिल थे। वाजुदी बोहरा समुदाय के प्रमुख की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज किशन कौल ने कांग्रेस नेता शशि थरूर द्वारा लिखे गए एक लेख का हवाला दिया, जिसमें धार्मिक राहत से जुड़े मामलों में न्यायिक संयम की बात कही गई थी। इस पर प्रधान न्यायाधीश सुर्यकांत ने कहा, “हम सभी प्रतिष्ठित व्यक्तियों, विधिवेत्ताओं आदि का सम्मान करते हैं, लेकिन व्यक्तिगत राय, व्यक्तिगत राय ही होती है।” कौल ने कहा कि सभी स्रोतों से जानकारी लेने में कोई बुराई नहीं है। उन्होंने कहा, “यदि ज्ञान और बुद्धिमत्ता किसी भी स्रोत, किसी भी देश, किसी भी विश्वविद्यालय से आती है, तो उसका स्वागत होना चाहिए। हमारी सभ्यता इनकी समृद्ध है कि हम हर प्रकार के ज्ञान और सूचना को स्वीकार कर सकते हैं।” इस पर न्यायमूर्ति नागरत्ना ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, लेकिन व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से नहीं। कौल ने कहा कि वह इस बहस में नहीं पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं इस पर नहीं जा रहा कि कौन-सा विश्वविद्यालय अच्छा है या बुरा, क्योंकि यह इस बहस के लिए अप्रासंगिक है... मुझा सिर्फ इतना है कि जहां से भी ज्ञान और सूचना मिले, उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। यह खबर लिखे जाने तक मामले की सुनवाई जारी थी।

मालेगांव विस्फोट मामले में सच्चाई तक पहुंचना मुश्किल लग रहा है : उच्च न्यायालय



दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय ने 2006 के मालेगांव विस्फोट मामले में चार आरोपियों को बरी करते हुए और पिछली जांच एजेंसी द्वारा जुटाए गए सबूतों को ‘पुरी तरह से नजरअंदाज’ करने के लिए राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से नाराजगी जताते हुए कहा कि मामले की जांच ऐसी स्थिति में पहुंच गई है जहां अब सच्चाई तक पहुंचना मुश्किल लग रहा है। बुधवार को आए उच्च न्यायालय के आदेश के बाद यह सवाल अनुत्तरित रह गया कि 31 लोगों की जान लेने वाले विस्फोटों के लिए आखिर जिम्मेदार कौन था। उच्च न्यायालय ने राजेंद्र चौधरी, धन सिंह, मनोहर राम सिंह नरवारिया और लोकेश शर्मा को आरोपमुक्त कर दिया। अदालत ने कहा कि उनके खिलाफ मुकदमा चलाने लायक पर्याप्त सबूत नहीं हैं। इन पर

उद्योग अनुकूल नीतियां महाराष्ट्र को वैश्विक निवेश केंद्र बना रही: फडणवीस



दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि उद्योग अनुकूल नीतियों के कारण राज्य एक वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में उभर रहा है और विदेशी निवेशकों के लिए पर्सदीवा गंतव्य बना हुआ है। फडणवीस ने यह बात दक्षिण मुंबई स्थित अपने आधिकारिक निवास ‘वर्षा’ में भारत में डेनमार्क के राजदूत रासमुस अबिल्गार्ड क्रिस्टेंसन से मुलाकात के दौरान कहा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, बैठक में

नायडू ने अनकापल्ली में 5,400 करोड़ रु. की सौर विनिर्माण इकाई की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



अनकापल्ली/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने विशाखापत्तनम के पास 5,400 करोड़ रुपये के निवेश से रिन्यू सोलर के कारखाने की बृहस्पतिवार को आधारशिला रखी। आधिकारिक बयान के अनुसार, अनकापल्ली में छह गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) सौर इन्वोर्ट और वेफर विनिर्माण इकाई को मजबूत धरेलू सौर आपूर्ति शृंखला बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। जनसभा को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा, “अनकापल्ली जिला बड़े निवेशों के माध्यम से विकास को आकर्षित कर रहा है। यह भारत में निवेश के मामले में शीर्ष स्थान पर पहुंच जाएगा। रिन्यू

5,400 करोड़ रुपये के निवेश से 6.5 गीगावाट का इन्वोर्ट सोलर वेफर संयंत्र स्थापित कर रहा है।” मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सौर ऊर्जा उत्पादन इकाई पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा के बेटे सुमंत सिन्हा द्वारा स्थापित की जा रही है। इन्वोर्ट और वेफर जैसे महत्वपूर्ण उपकरणों के विनिर्माण के जरिये इस इकाई से आयात पर निर्भरता काफी कम होने और भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होने की उम्मीद है। विज्ञप्ति के अनुसार, इस इकाई के 24 महीने के भीतर चालू होने की उम्मीद है और इससे 2,100 से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। इससे क्षेत्र में औद्योगिक विकास और रोजगार को और बढ़ावा मिलेगा। बिजली के

उपयोग के महत्व का जिक्र करते हुए नायडू ने कहा कि यह विकास के मूल्यांकन के प्रमुख मापदंडों में से एक है जिसका मतलब है कि जितना अधिक उपयोग होगा उतना ही अधिक विकास होगा। उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्य बड़े पैमाने पर बिजली उत्पादन संयंत्रों से संबंधित निवेश आकर्षित कर रहा है। ‘सीआईआई पार्टनरशिप शिखर सम्मेलन’ के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि रिन्यू ने राज्य में हजारों करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए आगे कदम बढ़ाया और सिन्हा ने 82,000 करोड़ रुपये के निवेश को लेकर प्रतिबद्धता जतायी है। उन्होंने बताया कि कंपनी जल्द ही अनंतपुर और कुरुनल जिलों में 10,370 करोड़ रुपये की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को शुरू करेगी और अनंतपुर में 777 मेगावाट की पवन एवं सौर ऊर्जा सुविधा स्थापित करने के लिए भी तैयार है।

हड़ताल, यात्री परेशान दक्षिण भारत राष्ट्रमत



तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) के कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल बृहस्पतिवार को दूसरे दिन भी जारी रहने के कारण यात्रियों को निजी परिवहन पर निर्भर होना पड़ा। कर्मचारियों ने आरटीसी के सरकार में विलय सहित अपनी 32 मांगों के समर्थन में कई जगहों पर प्रदर्शन किया। आरटीसी ने जनता की सुविधा के लिए निजी तथा इलेक्ट्रिक बस चलाने की कोशिश की। बस अड्डों पर पहुंचे यात्रियों को बस पकड़ने के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। कुछ यात्रियों ने मीडिया से कहा कि बसों की अनुपलब्धता के कारण ऑटो सहित निजी वाहन भारी किराया वसूल रहे हैं। विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं ने हड़ताल कर रहे कर्मचारियों को समर्थन देते हुए सरकार से उनकी मांगें मानने को कहा।

अमेजन इंडिया 2,800 करोड़ रुपए से अधिक का करेगी निवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेजन इंडिया कर्मचारियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं वित्तीय कल्याण उपायों को मजबूत करने और देशभर में अपने संचालन नेटवर्क को बढ़ाने के लिए 2,800 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने की योजना है। कंपनी ने बताया कि यह निवेश नया निवेश कंपनी की 2030 तक भारत में 35 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक निवेश करने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इसमें कारोबार विस्तार, कृत्रिम मेधा आधारित डिजिटलीकरण, नियात

वृद्धि और रोजगार सृजन जैसे उपाय शामिल हैं। अमेजन इंडिया एवं ऑस्ट्रेलिया के संचालन उपाध्यक्ष अभिनव सिंह ने कहा, “2013 में ‘अमेजनडॉटइन’ की शुरुआत के बाद से हमने भारत के सबसे सुरक्षित, तेज और विश्वस्तरीय संचालन नेटवर्क में से एक का निर्माण किया है, जो देश के हर सेवा योग्य पते कोड तक ग्राहकों को सेवार्थ पहुंचा करता है। इस नेटवर्क के केंद्र में हमारे लोग हैं... और हम कर्मचारियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं वित्तीय कल्याण को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।” सिंह ने कहा कि 2,800 करोड़ रुपये से अधिक का यह निवेश कंपनी के प्रयासों को और मजबूत करेगा।

परिवार की विरासत को मिटाने के लिए बारामती में ‘पवार बनाम पवार’ की कोशिश : रोहित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



मुंबई/भाषा। राकांपा (एसपी) नेता रोहित पवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि बारामती में कोई भी 2029 के विधानसभा चुनावों में ‘पवार बनाम पवार’ की लड़ाई नहीं देखना चाहता, लेकिन राकांपा से जुड़े कुछ लोग इस तरह के मुकामले के पक्ष में प्रतीत होते हैं क्योंकि वे पवार परिवार की विरासत को समाप्त करना चाहते हैं। रोहित पवार को निशाना बना रहे थे, जो महाराष्ट्र में ‘महायुति’ सरकार का नेतृत्व कर रही हैं और राधावादी कांग्रेस और विधानसभा चुनावों में ‘पवार बनाम पवार’ का मुकामला हुआ। बारामती उपचुनाव के लिए मतदान करने के बाद उन्होंने कहा, “कल अगर जय उनकी पार्टी (राकांपा) और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ सत्ता साझा करती है। राकांपा की कमान वर्तमान में उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के हाथ में है, जिन्होंने जनवरी में अपने पति अजित पवार की विधान दुर्घटना

हरियाणा का विशेष किसानों की कठिनाइयों पर केंद्रित हो : चौटाला



मुंबई/भाषा। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के प्रमुख अभय सिंह चौटाला ने बृहस्पतिवार को कहा कि यदि हरियाणा में विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र बुलाया जाना है, तो यह विपक्षी दलों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने के लिए नहीं, बल्कि ‘किसानों द्वारा सामना की जा रही कठिनाइयों’ को दूर करने के लिए होना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि सरकार द्वारा गेहूं की खरीद पर कई नई शर्तें लागू की गई हैं, जिनमें मंडियों में बायोमेट्रिक सत्यापन भी शामिल है, जिससे किसानों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। चौटाला ने कहा कि उनकी पार्टी ने मंडियों में अपने कार्यकर्ताओं को तैनात किया है ताकि किसानों की शिकायतों के निवारण में सहायता की जा सके। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, “हमने सरकार से बायोमेट्रिक सत्यापन सहित इन नई शर्तों को लागू न करने का आग्रह किया था। हालांकि, सरकार ने बायोमेट्रिक सत्यापन को अनिवार्य कर दिया। इससे किसानों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है।” हरियाणा में 27 अप्रैल को विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में चौटाला ने मुख्यमंत्री नाथ सिंह सैनी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके पास विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने का समय तो है, लेकिन किसानों के लिए समय नहीं है।

उत्तराखंड में बदरीनाथ धाम के कपाट खुले, चारधाम यात्रा पूर्ण रूप से शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

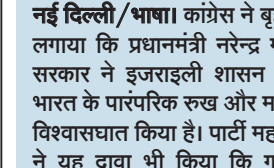


देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित विश्वप्रसिद्ध बदरीनाथ धाम के कपाट छह माह बंद रहने के बाद बृहस्पतिवार को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए और पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से संपन्न हुई। पूर्व निर्धारित मुहूर्त के अनुसार, सुबह सवा छह बजे चमोली जिले में स्थित इस मंदिर के कपाट वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधिवत पूजा-अर्चना के साथ खोले गए और इस दौरान देश-विदेश से आए करीब 15 हजार श्रद्धालु मंदिर परिसर में मौजूद रहे। इस मौके पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री

पुष्कर सिंह धामी तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट भी उपस्थित रहे। मंदिर के कपाट खुलने के दौरान पूजा वातावरण बोल-बगड़ों और सेना के बैंड की मधुर धुनों के साथ हजारों श्रद्धालुओं के ‘जय बदरी विशाल’ के जयकारों से भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में माणा और बामणी गांव की महिलाओं ने झुमेलो नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि अन्य राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन गाए। मंदिर को रंग-बिरंगे और सुगंधित फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था, जिससे नर और नारायण पर्वत के बीच स्थित इसकी सुंदरता और निखर उठी। मान्यता है कि वर्ष में छह महीने (ग्रीष्मकाल में) श्रद्धालु यहां

भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, जबकि शेष छह महीने (शीतकाल में) देवता स्वयं उनकी आराधना करते हैं, जिसमें मुख्य पुजारी देवर्षि नारद होते हैं। मुख्यमंत्री धामी ने देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए महाभिषेक पूजा संपन्न कराई। उन्होंने धाम पहुंचे तीर्थयात्रियों का स्वागत किया और व्यवस्थाओं के संबंध में उनकी राय भी जानी। धामी ने कहा कि राज्य सरकार ने चारधाम यात्रा को सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। साथ ही श्रद्धालुओं से ‘हरित और स्वच्छ’ तीर्थयात्रा में सहयोग करने का आग्रह किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने धाम में संचालित भंडारे का उद्घाटन किया।

मोदी सरकार ने इजराइली शासन के साथ खड़े होकर मानवीय मूल्यों से विश्वासघात किया : कांग्रेस



नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने इजराइली शासन के साथ खड़े होकर भारत के पारंपरिक रुख और मानवीय मूल्यों के साथ विश्वासघात किया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि गाजा में इजराइल के ‘नरसंहार’ और लेबनान पर बमबारी को लेकर प्रधानमंत्री की ‘चुप्पी’ नैतिक कायरता है। रमेश ने ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, “गाजा में इजराइल द्वारा जारी नरसंहार और लेबनान पर भारी बमबारी पर अपनी चुप्पी से प्रधानमंत्री नैतिक कायरता का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कच्चे वाले वेस्ट बैंक में लाखों फलस्तीनियों के विस्थापन पर भी पूरी तरह से चुप्पी साध रखी है।” उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसी कोई सरकार नहीं है जिसने ‘हत्याएं इजराइली शासन’ के साथ इतनी एकजुटता दिखाई हो जितनी मोदी सरकार ने दिखाई है। रमेश ने दावा किया कि मोदी सरकार ने पारंपरिक भारतीय सिद्धांतों और रुख के साथ ही सभी मानवीय मूल्यों के साथ विश्वासघात किया है।

संविधान के आधार पर समान नागरिक संहिता की दिशा में कदम उठा रही कुछ राज्य सरकारें : कुरियन मुंबई/भाषा। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि समान नागरिक संहिता का संविधान में जिक्र है और कुछ राज्य सरकारें इस विषय में संवैधानिक प्रावधानों के आधार पर कदम उठा रही हैं। कुरियन ने समान नागरिक संहिता से जुड़े एक सवाल पर संवाददाताओं से कहा कि इस विषय में कुछ राज्य सरकारें संवैधानिक प्रावधानों के आधार पर कदम उठा रही हैं। उन्होंने कहा, “हमारे संविधान में इसके (समान नागरिक संहिता) बारे में लिखा है, इसलिए वे (राज्य सरकारें) संविधान के आधार पर कदम उठा रहे हैं।” मीडिया के साथ बातचीत से पहले, कुरियन ‘भारतीय अर्थव्यवस्था, शिक्षा और परंपराओं में जैन समुदाय का योगदान’ विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल हुए, जिसका आयोजन राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने किया था। उन्होंने कहा कि देश के विकास तथा अर्थव्यवस्था में जैन समुदाय का बड़ा योगदान है और सरकार इसे बढ़ाने में समुदाय की हसंभय मदद करेगी।

आंध्र प्रदेश: हनी-ट्रैप के जरिए वसूली करने वाला गिरोह पकड़ा गया, पांच गिरफ्तार

अनंतपुर (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश पुलिस ने अनंतपुर ग्रामीण मंडल में हनी-ट्रैप के जरिए धन उगाही करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। हनी ट्रैप का अर्थ है किसी को प्रेम जाल या शारीरिक

प्रलोभन में फंसाकर, उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें या वीडियो बनाना और फिर उन्हें सार्वजनिक करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना या जबर्न वसूली करना। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गिरोह की सरगना मामिलापल्ली रंगाम्मा,

डब्बारा राजेश, मंगला जयालक्ष्मी, चंद्रकला और अनंतकुमारी के रूप में हुई है। अनंतपुर ग्रामीण मंडल के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) टी. वेंकटेश्वरु ने संवाददाताओं को बताया, हमने एक हनी-ट्रैप गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो पीड़ितों को मीठी बातों में फंसाने के लिए जाल बिछाते थे।

नए ऑनलाइन गेमिंग नियमों से भारत के ई-स्पोर्ट्स परिवेश में आएगी स्पष्टता : उद्योग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com



नई दिल्ली/भाषा। गेमिंग उद्योग ने बृहस्पतिवार को कहा कि नए ऑनलाइन गेमिंग नियम स्पष्ट रूप से पंजीकृत ‘ई-स्पोर्ट्स’ को एक वैध खेल के रूप में मान्यता देते हैं। उद्योग का मानना है कि यह रूपरेखा वास्तविक रूप से पैसे से जुड़े मंच को ई-स्पोर्ट्स के रूप में खुद को पेश करने से रोकेगा। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने ई-स्पोर्ट्स टीमों और खिलाड़ियों के सामने आने वाले वित्तीय रूपरेखा के स्पष्टता की कमी जैसी प्रमुख कमियों की ओर ध्यान दिलाया। साथ ही, उन्होंने उद्योग को स्पष्टता के लिए अधिसूचित नियमों के बाद आई है। ये नियम एक ‘डिजिटल-फरट’ नियामक ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण के गठन का रास्ता साफ करते हैं और ये एक नई, 2026 से प्रभावी होंगे। नोडलिन गेमिंग के

सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक अक्षय राठी ने कहा कि ये नियम भारत के ई-स्पोर्ट्स परिवेश में बहुप्रतीक्षित स्पष्टता और संरचना लाते हैं। उन्होंने प्रायश्चित्त के माध्यम से बाधित प्रकाशकों द्वारा खेलों को ई-स्पोर्ट्स के रूप में औपचारिक रूप से पंजीकृत करने के प्रावधान को एक स्वागत योग्य कदम बताया और कहा कि यह असली पैसे वाले मंच को खुद को ई-स्पोर्ट्स घोषित करने से रोकेगा।

उद्योग अनुकूल नीतियां महाराष्ट्र को वैश्विक निवेश केंद्र बना रही: फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि उद्योग अनुकूल नीतियों के कारण राज्य एक वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में उभर रहा है और विदेशी निवेशकों के लिए पर्सदीवा गंतव्य बना हुआ है। फडणवीस ने यह बात दक्षिण मुंबई स्थित अपने आधिकारिक निवास ‘वर्षा’ में भारत में डेनमार्क के राजदूत रासमुस अबिल्गार्ड क्रिस्टेंसन से मुलाकात के दौरान कहा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, बैठक में

बंदरगाह, पोत परिवहन, ऊर्जा और जल प्रबंधन के क्षेत्रों में संभावनाओं पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र को देश का वृद्धि इंजन बताते हुए कहा कि सक्रिय नीतिगत कदमों से वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करने में मदद मिली है और अंतरराष्ट्रीय निवेश परिदृश्य में राज्य की स्थिति मजबूत हुई है। बैठक के दौरान देवेंद्र फडणवीस ने डेनमार्क के प्रतिनिधिमंडल को पालघर जिले में प्रस्तावित वधावन बंदरगाह परियोजना की जानकारी दी। उन्होंने इसे एक परिवर्तनकारी

परियोजना बताते हुए कहा कि यह परियोजना भारत की समुद्री क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ परिवहन व्यवस्था और निर्यात प्रतिस्पर्धा को मजबूत कर सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य जल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वकांक्षी योजना पर काम कर रहा है, जिसमें जल टैक्सी और बिजली से चलने वाली नौकाओं की योजना शामिल है। इसके लिए एककूट और बेहतर व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। महाराष्ट्र इस क्षेत्र में डेनमार्क की अग्रणी कंपनियों के साथ साझेदारी का इच्छुक है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गेमिंग उद्योग ने बृहस्पतिवार को कहा कि नए ऑनलाइन गेमिंग नियम स्पष्ट रूप से पंजीकृत ‘ई-स्पोर्ट्स’ को एक वैध खेल के रूप में मान्यता देते हैं। उद्योग का मानना है कि यह रूपरेखा वास्तविक रूप से पैसे से जुड़े मंच को ई-स्पोर्ट्स के रूप में खुद को पेश करने से रोकेगा। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने ई-स्पोर्ट्स टीमों और खिलाड़ियों के सामने आने वाले वित्तीय रूपरेखा के स्पष्टता की कमी जैसी प्रमुख कमियों की ओर ध्यान दिलाया। साथ ही, उन्होंने उद्योग को स्पष्टता के लिए अधिसूचित नियमों के बाद आई है। ये नियम एक ‘डिजिटल-फरट’ नियामक ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण के गठन का रास्ता साफ करते हैं और ये एक नई, 2026 से प्रभावी होंगे। नोडलिन गेमिंग के

सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक अक्षय राठी ने कहा कि ये नियम भारत के ई-स्पोर्ट्स परिवेश में बहुप्रतीक्षित स्पष्टता और संरचना लाते हैं। उन्होंने प्रायश्चित्त के माध्यम से बाधित प्रकाशकों द्वारा खेलों को ई-स्पोर्ट्स के रूप में औपचारिक रूप से पंजीकृत करने के प्रावधान को एक स्वागत योग्य कदम बताया और कहा कि यह असली पैसे वाले मंच को खुद को ई-स्पोर्ट्स घोषित करने से रोकेगा।





# मुझे पूरा यकीन है कि बंगाल में भाजपा को शानदार जीत मिलेगी : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**कृष्णानगर/बाघा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में बड़ी संख्या में वोट देने के लिए राज्य की जनता को बधाई दी और मतदान के अब तक के आंकड़ों को 'परिवर्तन के लिए शानदार जनादेश' का संकेत बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने नदिया जिले के कृष्णानगर में एक चुनावी रैली में कहा कि निर्वाचन आयोग इस बात के लिए बधाई का पात्र है कि उसने चुनाव में हिंसा की कोई बड़ी घटना नहीं होने दी।

मोदी ने कहा, 'बंगाल में पिछले 50 वर्षों के चुनावी इतिहास में यह पहली बार है कि हिंसा की घटनाएं न्यूनतम रही। मतदान के बारे में अब तक मुझे जो जानकारी मिली

## प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव प्रचार के बीच बेलूड़ मठ जाकर संतों से भेंट की



**हावड़ा(प.बंगाल)/बाघा।** पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का प्रचार करने आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को रामकृष्ण मिशन के मुख्यालय बेलूड़ मठ गए और संतों से भेंट की। मोदी दक्षिण 24 परगना जिले के मथुरापुर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करने के बाद हावड़ा के बेलूड़ पहुंचे।

उन्होंने रामकृष्ण और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमाओं को पुष्पांजलि अर्पित की और मठ के संतों के साथ बातचीत की। प्रधानमंत्री ने इस की अपनी पिछली यात्राओं को याद किया। उन्होंने कहा कि उनका शुरु से इस मठ से जुड़ाव रहा है।

है, उससे मुझे पूरा विश्वास है कि यह बंगाल के मतदाताओं द्वारा बदलाव के पक्ष में एक शानदार जनादेश होगा। देश के अन्य हिस्सों के मतदान के आंकड़ों का हवाला देते हुए, प्रधानमंत्री ने दावा किया कि जब भी लोग बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए

निकले हैं, भाजपा को निर्णायक जीत हासिल हुई है। बंगाल में शाम 5 बजे तक औसतन लगभग 90 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। राज्य विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में, 152 सीटों पर अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था के बीच बृहस्पतिवार को

मतदान हुआ। हालांकि, कुछ इलाकों से हिंसा की छिटपुट घटनाओं की खबरें हैं। शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 2,400 से अधिक कंपनियां तैनात की गई हैं। मोदी ने कहा कि मतगणना के बाद भाजपा की बंगाल इकाई

4 मई को विजयोत्सव मनाएगी, जब पार्टी लोगों में न केवल मिठाई बल्कि 'झालमुड़ी' भी बांटेगी। प्रधानमंत्री ने पिछले हफ्ते झाड़ग्राम के अपने दौरे के दौरान 'झालमुड़ी' का स्वाद लिया था। उन्होंने कहा, 'मैंने सुना है कि झालमुड़ी ने भी कुछ लोगों को करारा झटका दिया है। मैंने झालमुड़ी खाई थी, लेकिन ऐसा लगता है कि तृणमूल नेताओं को भिँची लग रही है।'

मोदी ने 'तृणमूल के सिंडिकेट, आपराधिक और माफिया गठजोड़' का जिक्र करते हुए दावा किया कि पार्टी राज्य के कुछ जिलों में एक भी सीट नहीं जीत पाएगी। उनकी यह जनसभा एक ऐसे क्षेत्र में थी, जहां हिंदू नामशुद्ध मत्सुआ समुदाय के सदस्यों की अच्छी खासी संख्या है और एसआईआर के जरिये मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाए जाने से लोगों के बीच आक्रोश है।

## जनजातीय परिषद चुनाव के नतीजे भाजपा के लिए चिंताजनक नहीं : मुख्यमंत्री साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com



**अगरतला/बाघा।** त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बृहस्पतिवार को कहा कि त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएडीसी) चुनाव के नतीजे सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए 'चिंताजनक नहीं' हैं क्योंकि पार्टी को पिछली बार के मुकबले इस बार दोगुने मत मिले हैं।

टीटीएडीसी की 28 सीट के लिए हाल में चुनाव में टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) को 24 सीट मिली हैं जबकि भाजपा को महज चार सीट से संतोष करना पड़ा। टीएमपी को 2021 के चुनाव में 37.43 प्रतिशत मत मिले थे जो इस साल बढ़कर 54.95% हो गया है जबकि भाजपा को पिछली बार मिले 18.72% मतों के मुकबले इस बार 28.95% मत मिले हैं। साहा ने

आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'जनजातीय परिषद चुनाव के नतीजे भाजपा के लिए चिंताजनक नहीं हैं। पार्टी ने इस बार अकेले चुनाव लड़ा था। पूर्वोत्तर राज्य में यह पहली बार है कि किसी राष्ट्रीय पार्टी ने किसी क्षेत्रीय पार्टी पर निर्भर हुए बिना जनजातीय परिषद का चुनाव लड़ा।' उन्होंने कहा कि भाजपा को 2021 के चुनाव में एक लाख मत मिले थे, जबकि इस बार उसे 2.18 लाख मत मिले हैं। साहा ने कहा, 'चुनाव में मिली हार से हम निराश नहीं हैं क्योंकि हमने जनजातीय परिषद क्षेत्र में रहने वाले लोगों का दिल जीतने की पूरी कोशिश की। हम कब तक क्षेत्रीय पार्टियों पर निर्भर रहेंगे?

## भारत-नेपाल सीमा पर 85 लाख रु. की भारतीय, नेपाली मुद्रा जब्त, 6 हिरासत में

**बहराईच (उम्र)/बाघा।** बहराईच जिले में भारत-नेपाल सीमा पर पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त टीम ने 85 लाख रुपए से अधिक मूल्य की भारतीय और नेपाली मुद्रा जब्त की और छह लोगों को हिरासत में लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के निदेशन में कारवाई करते हुए रुपईडीहा थाने की पुलिस और एसएसबी ने सीमा क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया, जिसके दौरान मंगलवार को नकदी बरामद की गई। छह लोगों के कब्जे से 16.5 लाख रुपए मूल्य की भारतीय मुद्रा और 69 लाख रुपए मूल्य की नेपाली मुद्रा बरामद की गई। पुलिस ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों में दो नेपाली नागरिक - राजेश प्रसाद सोनार और प्रताप सिंह जयसवाल - और बहराईच के रुपईडीहा क्षेत्र के चार निवासी शामिल हैं, जिनकी पहचान विजय कुमार अग्रवाल, रामगोपाल शुकला, मोतीलाल और दीपक कुमार निषाद के रूप में की गई है।



## भाजपा ने पहले हमारा साथ दिया था, इसलिए मुख्यमंत्री पद उन्हें सौंपा : जदयू

**पटना/बाघा।** जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पार्टी अध्यक्ष नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को राज्य का शीर्ष पद इसलिए सौंपा गया, क्योंकि अतीत में गठबंधन सहयोगी ने उसका साथ दिया था। चौधरी ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'कल सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली नई सरकार विधानसभा में विश्वास मत हासिल करेगी। इसी उद्देश्य से विधानसभा का एक दिवसीय सत्र बुलाया गया है। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पास प्रचंड बहुमत है, इसलिए विश्वास मत जीतना तय है।' उन्होंने कहा, 'यह भी ध्यान रखना चाहिए कि नई सरकार को हमारे नेता नीतीश कुमार का आशीर्वाद प्राप्त है, जिन्होंने राज्यसभा जाने का निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री पद छोड़ा। राज्य की जनता ने बार-बार उन पर भरोसा जताया है, इसलिए सभी निश्चित रहें कि नई सरकार नीतीश कुमार के पदधिर्वां पर चलेगी।'

## शादी में थूक लगाकर सेटी बनाने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

**हापुड़ (उम्र)/बाघा।** हापुड़ जिले में एक शादी समारोह के दौरान थूक लगाकर तंदूर में सेटी बनाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। बाबूगढ़ थाना प्रभारी मुनीश प्रताप ने बृहस्पतिवार को बताया कि एक वीडियो उनके संज्ञान में आया था, जिसमें एक युवक थूक लगाकर सेटी बनाता दिखाई दे रहा था। उन्होंने बताया कि वीडियो के आधार पर पहचान करके आरोपी नसीमउद्दीन को बुधवार शाम को गिरफ्तार कर अदालत के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। प्रताप ने बताया कि यह घटना बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के मुक्तेश्वरा गांव की है, जहां 18 अप्रैल को एक शादी समारोह आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर मौजूद किसी व्यक्ति ने अपने मोबाइल फोन पर इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया, जिसके बाद एक शिकायत दर्ज कराई गई।

## जब मैदान पर आता हू तो मैं अपना अहंकार होटल के कमरे में ही छोड़ देता हू : जडेजा



**नई दिल्ली/बाघा।** रविंद्र जडेजा ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए विभिन्न कारणों से अधिकतर मैचों में अपने कोटे के चार ओवर पूरे नहीं किए हैं लेकिन उन्हें इस बात का कोई शिकावा नहीं है और उनका कहना है कि वह 'मैदान पर आने से पहले अपना अहंकार होटल के कमरे में छोड़ देते हैं।' जडेजा ने बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपनी टीम को 40 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले कुछ मैचों में अपने कोटे के चार ओवर पूरे न कर पाने के बारे में जडेजा ने जिजोहॉटस्पॉट से कहा, 'जब मैं मैदान पर आता हू, तो मैं अपना अहंकार होटल के कमरे में ही छोड़ देता हू। मैं केवल इस बारे में सोचता हू कि टीम मुझसे किस तरह की भी अपेक्षा करेगी मैं उसे पूरी करने की कोशिश करूंगा।' उन्होंने कहा, 'आगर इस मैच में बल्लेबाजी की बात करें तो मैं पारी के आखिर तक खेलना चाहता था क्योंकि अगर मैं 17वें या 18वें ओवर में गलत शॉट खेलकर आउट हो जाता तो हम 159 रन तक नहीं पहुंच पाते और शायद 20-25 रन कम बना पाते।'

## बिहार विधानसभा में आज विश्वास मत पेश करेगी सम्राट चौधरी सरकार



**पटना/बाघा।** बिहार में हाल ही में सत्ता संभालने वाले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार 24 अप्रैल को विधानसभा में विश्वास मत प्रस्ताव पेश करेगी। इसके लिए बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने सदन की बैठक आहूत की है, जिसकी कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होगी।

विधानसभा सचिवालय द्वारा बृहस्पतिवार को जारी कार्यसूची के अनुसार, बैठक की शुरुआत अध्यक्ष के प्रारंभिक संबोधन से होगी, जिसके बाद मुख्यमंत्री विश्वास मत प्रस्ताव पेश करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राजग के पास विधानसभा में बहुमत साबित करने के लिए पर्याप्त संख्या बल है। गठबंधन में भाजपा के 89, जनता दल (यूनाइटेड) के 85, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 19, हिंदुस्तानी आवाज मोर्चा के चार और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के चार विधायक हैं। इस प्रकार राजग के कुल 201 विधायक हैं। हालांकि, पहले राजग के विधायकों की संख्या 202 थी, लेकिन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा देने पर यह संख्या घटकर 201 रह गई।



## अच्छी नीयत से गोरखपुर में हुआ विकासपरक परिवर्तन : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**गोरखपुर/बाघा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब नीयत साफ हो तो नियति बदलने में देर नहीं लगती और गोरखपुर में नौ वर्षों के अंदर आया विकासपरक परिवर्तन इसका प्रमाण है।

यह रामी नदी के एकला बंधा पर पुराने कचरे का निस्तरण कर बनाए गए ईको पार्क, नौसद-मलौनी फोरलेन सड़क सहित 1055 करोड़ रुपए की लागत वाली 497 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के

बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छता टूलकिट और कैलेंडर का अनावरण कर स्वच्छ स्कूल अभियान की भी शुरुआत की। उन्होंने एकला बंधा पर ईको पार्क के रूप में हुए नए कार्यालय का उल्लेख करते हुए कहा कि वाराणसी या लखनऊ की तरफ से गोरखपुर में प्रवेश करते ही सबसे पहला मुकामला कचरे से होता था। उन्होंने कहा कि यह बहुत बुरा लगता था, लेकिन इच्छाशक्ति से धीरे-धीरे परिवर्तन होता गया। योगी ने कहा कि आज से 30-35 वर्ष पहले, आज जहां द्वांसपोर्टनगर बना है, पहले गोरखपुर का सारा कचरा वहीं फेंका जाता था।

उन्होंने कहा कि नगर निगम ने उसका समाधान किया तो आज वहां द्वांसपोर्टनगर है, बेहतरीन बाजार और गोरखपुर की मंडी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि द्वांसपोर्टनगर बन जाने के बाद कचरा एकला बंधा पर गिराया जाने लगा, जिसका परिणाम हुआ, वायु प्रदूषण, जमीन में जहर, नदी प्रदूषण और भूजल स्तर पर भी प्रभाव। उन्होंने कहा कि नीयत से नियति को बदला गया और बेहतरीन ईको पार्क तैयार हो गया। ईको पार्क के विकास के लिए नगर निगम की पूरी टीम की तारीफ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निगम ने गोरखपुर शहर के प्रवेश द्वार पर कचरे को कचन में बदलने का काम किया है।

## चुनाव में हार की भविष्यवाणी करने में माहिर : भाजपा ने राहुल गांधी पर निशाणा साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com



**नई दिल्ली/बाघा।**

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में बृहस्पतिवार को पहले चरण का मतदान शुरू होने के साथ ही भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा और दावा किया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष चुनावी हार की भविष्यवाणी करने के विशेषज्ञ हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल के उन बयानों का हवाला दिया, जिनमें उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाणा साधा था।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, राहुल गांधी चुनाव पूर्वानुमान लगाने में माहिर हैं, और हार की भविष्यवाणी करने में वे हमेशा सटीक होते हैं।

यही कारण है कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी 90 से अधिक चुनाव हार चुकी है। भंडारी ने कहा कि गांधी की टिप्पणियां विपक्षी दलों के बीच भी बढ़ती इस धारणा को दर्शाती हैं कि बनर्जी ने सांघाधिकता और अराजकता को बढ़ावा दिया है, तथा पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिवर्तन होने की संभावना है। भाजपा नेता ने कहा, राहुल गांधी का कहना है कि ममताजी सांप्रदायिक हैं और ममता बनर्जी ने राज्य को सांघाधिकता और अराजकता की ओर धकेल दिया है। राहुल गांधी के अनुसार, ममता बनर्जी का सत्ता से बाहर होना निश्चित है।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी द्वारा ममता बनर्जी पर किया गया हमला यह स्पष्ट करता है कि विपक्षी सहयोगी भी अब यह मानने लगे हैं कि बंगाल को बदलाव की जरूरत है और भाजपा सरकार आवश्यक है।



## भाजपा के चुनाव जीतने के बाद बंगाल में कोई घुसपैठ नहीं कर पाएगा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**बालागढ़ (पश्चिम बंगाल)/बाघा।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद पश्चिम बंगाल में एक भी घुसपैठिये को घुसने नहीं दिया जाएगा और यहां पहले से मौजूद अवैध प्रवासियों को चुन चुन कर बाहर निकाला जाएगा। हुगली जिले के

बालागढ़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने के लिए तैयार है।

राज्य में आज पहले चरण में विधानसभा की 152 सीटों के लिए मतदान हो रहा है। शाह ने कहा, आज पहले चरण का मतदान लगभग समाप्त हो चुका है और यह बंगाल में मेरा 30वां कार्यक्रम है। पांच मई को वीदी का खेल खल हो जाएगा। बंगाल में पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनेगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के

नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। शाह ने यह आरोप लगाया कि घुसपैठ से राज्य की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा, घुसपैठिए बंगाल के युवाओं की नौकरियां छीन रहे हैं, गरीबों का राशन खा रहे हैं और देश की सुरक्षा को कमजोर कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस सरकार पर अपना हमला तेज करते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता ने उस पर सिंडिकेट राज को बढ़ावा देने और लोगों पर भाईयो टेक्स का बोझ डालने का आरोप लगाया।

## 'चुनाव कराए ही क्यों जा रहे हैं': सिब्लल का निर्वाचन आयोग पर हमला

**नई दिल्ली/बाघा।** पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्लल ने बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयोग पर तीखा हमला करते हुए उस पर पश्चिम बंगाल में

'मतदाताओं को उनके अधिकार से वंचित रखने' का प्रयोग करने का आरोप लगाया और पूछा कि 'चुनाव कराए ही क्यों जा रहे हैं।' राज्यसभा सदस्य ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भी निशाणा साधते हुए तंज किया कि उन्हें तो पद्म भूषण से सम्मानित किया जाना चाहिए। सिब्लल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'निर्वाचन आयोग (पश्चिम बंगाल चुनाव) : मताधिकार छीनने का एक 'प्रयोग' है।'

मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पद्म भूषण से सम्मानित किया जाना चाहिए। सिब्लल ने कहा, 'मेरा सवाल: चुनाव कराए ही क्यों जा रहे हैं?' पश्चिम बंगाल में बृहस्पतिवार को पहले चरण का मतदान हो रहा है जहां सियासी मुकामला लगातार अधिक धुंकीकृत होता जा रहा है।

## ममता ने आई-पैक मामले की जांच में बाधा डालने के लिए राज्य तंत्र का इस्तेमाल किया : ईडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/बाघा।** पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाने का आरोप लगाते हुए, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2,700 करोड़ रुपए के कोयला तस्करी मामले में आई-पैक के खिलाफ उसकी जांच में बाधा डालने के लिए राज्य तंत्र का इस्तेमाल किया।

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एन वी अंजोरिया की पीठ के समक्ष ईडी और उसके अधिकारियों के मौखिक अधिकारों का उल्लंघन होता है। मेहता ने कहा, 'डॉ. अंबेडकर ने कभी ऐसी स्थिति की कल्पना भी नहीं की थी। मुख्यमंत्री सैंकडों पुलिस अधिकारियों के साथ परिसर में घुस गईं। वे दरवाजे लगे गए, कंप्यूटर बैकअप रोक दिए और सुरक्षा कैमरों का डेटा छीन लिया। यह कोई अकेली घटना नहीं है; यह एक पैटर्न है।'

उन्होंने कहा, 'पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। यह मेरी कानूनी दलील है। मैं यह साबित करूंगा कि कानून का उल्लंघन कैसे हो रहा है। यह मामला कोयले की अवैध तस्करी का है, जिसकी कुल राशि 2,700 करोड़ रुपए है। ईडी और उनके अधिकारियों, जो भारत के नागरिक हैं और अपने वैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं, अपने मौखिक अधिकारों की रक्षा का अनुरोध कर रहे हैं।'

विधि अधिकारियों ने पूर्व पुलिस आयुक्त राजीव कुमार से जुड़ी 2019 की घटना का हवाला देते हुए तर्क दिया कि पश्चिम बंगाल में जांच को रोकने के लिए संघीय अधिकारियों को 'गिरफ्तार' करने का इतिहास रहा है।

## बंगाल चुनाव मतदान तृणमूल कांग्रेस के जीत की स्थिति में होने का संकेत : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**कोलकाता/बाघा।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि विधानसभा चुनाव के पहले चरण में अब तक हुए मतदान से संकेत मिलता है कि तृणमूल कांग्रेस अभी से ही जीत की स्थिति में है।

कोलकाता के बो बाजार इलाके में आयोजित रैली में ममता ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद वह सभी विपक्षी



दलों को साथ लेकर दिल्ली (केंद्र की सत्ता) पर विजय हासिल करेगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के तहत 152 सीट पर मतदान जारी है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, शाम पांच बजे तक राज्य में 89.93 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। दूसरे चरण के तहत 142 सीट पर 29 अप्रैल को मतदान होगा। वोटों की गिनती चार मई को की जाएगी। ममता ने कहा, 'मैं लोगों के मन को जितना समझ पाई हूँ और

अभी तक हुए मतदान के आधार पर मैं यह कह सकती हूँ कि हम अभी से ही जीत की स्थिति में हैं। उन्होंने कहा, मुझे किसी पद में कोई दिलचस्पी नहीं है। मुझे कुर्सी नहीं चाहिए। मैं सिर्फ दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार का अंत चाहती हूँ। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कृष्णानगर में आयोजित एक रैली में पश्चिम बंगाल के लोगों को पहले चरण के चुनाव में भारी मतदान के लिए बधाई दी और इसे बदलाव के

लिए एक जबरदस्त जनादेश कर दिया। हालांकि, ममता ने दावा किया कि मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में नगरीय को हटाए जाने के विरोध में लोगों ने बड़ी संख्या में मतदान किया। तृणमूल सूची में दोहराया कि उनके प्रयासों के कारण मतदाता सूची में 32 लाख नाम फिर से शामिल किए गए। उन्होंने कहा, मतदान के दिन आप (प्रधानमंत्री) कह रहे हैं कि आप जीतेंगे; क्या आप ऐसा कह सकते हैं? भाजपा इतनी नादान कैसे हो सकती है?

## सुविचार

खोल दे पंख मेरे, कहता है परिदा, अमी और उड़ान बाकी है, जमीन नहीं है मंजिल मेरी, अमी पूरा आसमान बाकी है।

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## बुराई के इस भंवर से बचें

दिल्ली में एक आईआरएस अधिकारी की बेटी की हत्या के मामले में हो रहे खुलासे हैरान करने वाले हैं। गिरफ्तार आरोपी एक प्रतिभाशाली छात्र रहा है, लेकिन उसे ऑनलाइन जुए की ऐसी लत लगी, जिसके बाद उसने अपराध की दुनिया में प्रवेश किया। उसे अपने कृत्य पर कोई पछतावा नहीं हो रहा है। जुआ किसी मनुष्य की बुद्धि किस तरह भ्रष्ट कर देता है, यह इसका एक उदाहरण है। आमतौर पर जुआरी अपनी आपबीती किसी को आसानी से नहीं बताते। अब सोशल मीडिया पर ऐसे लोग अनुभव साझा करने लगे हैं। उन्हें सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। देश में ऐसे युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है, जो जुए के चक्रव्यूह में बुरी तरह फंस चुके हैं। उनके सिर पर यही फितूर सवार रहता है कि 'किसी तरह रुपए मिल जाएं, उनसे और बड़ा दांव लगाएं।' उक्त युवक द्वारा भी आईआरएस अधिकारी के घर से रुपए-जेवरता चोरी किए जाने की जानकारी सामने आई है। यह युवक इन अधिकारी के घर में नौकरी कर चुका है। इस दौरान उसने कई लोगों से रुपए उधार लेकर जुआ खेला था। जब अधिकारी को उसके कारनामों का पता चला तो नौकरी से निकाल दिया। यह युवक अपने घर में भी लड़ाई-झगड़ा करता था और जुआ खेलने के लिए रुपए मांगता था। अगर रुपए नहीं मिलते थे तो घर का सामान बेच देता था। जब रुपए मिल जाते थे तो उन्हें अनैतिक कार्यों में उड़ा देता था। अगर रुपए के इस रोग को फैलने से नहीं रोका गया तो भविष्य में कई लोग अपराध के दलदल में फंस सकते हैं।

अक्सर कहा जाता है कि 'जुआ संबंधी वेबसाइटों और ऐप्स के लिए सरकार जिम्मेदार है ... वह इन्हें बंद क्यों नहीं कर देती?' सरकार ने पूर्व में ऐसी कई वेबसाइटों और ऐप्स पर प्रतिबंध लगाया है। इनके हर प्लेटफॉर्म पर नजर रखना संभव नहीं है और न ही हर बात के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराना उचित है। क्या लोगों की कोई जिम्मेदारी नहीं है? इस तथ्य से सभी अवगत हैं कि जुआ खेलना बहुत बुरी बात है। फिर क्यों खेलते हैं? इससे दूर रहें। अगर आदत लगाना चाहते हैं तो अच्छी बातों की क्यों नहीं लगाते? क्या उसके लिए भी सरकार जिम्मेदार है? जुए की लत ने कई युवाओं की जिंदगी तबाह कर दी। दिल्ली में ही एक लड़का जो कुछ साल पहले टॉपर था, आज जुए के कारण लाखों रुपए के कर्ज में है। उसने शुरुआत में बहुत रुपए जीते थे। एक दिन भाग्य ने ऐसा पलटा खया कि सबकुछ हार गया। उसने वह रकम दोबारा हासिल करने के लिए अपने माता-पिता के बैंक खातों में सेंध लगाई। वहां से लाखों रुपए उड़ाए। उनसे जुआ खेला और हार गया। उसकी पढ़ाई-लिखाई चौपट हो गई। जिस कॉलेज ने उसे सम्मानपूर्वक प्रवेश दिया था, उसी ने बाहर कर दिया। माता-पिता कॉलेज प्रबंधन के आगे हाथ जोड़ने पड़े। एक और युवक को जुए की ऐसी लत लगी कि सबकुछ हारने के बाद वह दूसरों से रुपए उधार मांगने लगा। उसे किसी से भी रुपए मांगने में बिल्कुल झिझक नहीं होती थी। एक दिन उसकी महिला मित्र की दादी का निधन हो गया। जब फोन पर युवक को बताया तो उसने दुःख जताने के बजाय महिला से कहा, 'दादी के कर्म में जाओ। अगर वहां कुछ रुपए मिल जाएं तो मुझे भेज दो।' जुए ने उसे इतना संवेदनाहीन बना दिया। हर माता-पिता की जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों को जुए से सावधान करें और इस बुरे खेल से दूर रखें। अगर बच्चे इस भंवर में फंस गए तो पछतावे के सिवा कुछ नहीं बचेगा।

## ट्वीटर टॉक

वोट देना न सिर्फ हमारा अधिकार है, बल्कि देश के प्रति हमारा सबसे बड़ा फर्ज भी है। मैं पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के सभी वोटर्स स निवेदन करता हूँ कि वे लोकतंत्र के इस बड़े त्योहार में पूरे जोश के साथ हिस्सा लें।

-भजनलाल शर्मा

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का पहला चरण हो रहा गया। मैं सभी नागरिकों से लोकतंत्र के इस त्योहार में पूरी ताकत से हिस्सा लेने की अपील करता हूँ। मैं खास तौर पर अपने युवा दोस्तों और पश्चिम बंगाल की महिलाओं से बड़ी संख्या में वोट करने की अपील करता हूँ।

-नरेन्द्र मोदी

राजस्थान के प्रसिद्ध उद्योगपति और बीकानेर ग्रुप के संस्थापक श्री शिवरतन अग्रवाल जी के अचानक निधन की खबर दिल तोड़ने वाली है। इन्होंने भगवान से प्रार्थना करती हूँ कि वे दिवंगत आत्मा को शांति दें और इस मुश्किल समय में शोक संतप्त परिवार को शक्ति दें।

-दिया कुमारी

## प्रेरक प्रसंग

## अपना अपना स्वभाव

एक बार एक भला आदमी नदी किनारे बैठा था। तभी उसने देखा एक बिच्छू पानी में गिर गया है। भले आदमी ने जल्दी से बिच्छू को हाथ में उठा लिया। बिच्छू ने उस भले आदमी को डंक मार दिया। बेचारे भले आदमी का हाथ काँपा और बिच्छू पानी में गिर गया। भले आदमी ने बिच्छू को डूबने से बचाने के लिए दुबारा उठा लिया। बिच्छू ने दुबारा उस भले आदमी को डंक मार दिया। भले आदमी का हाथ दुबारा काँपा और बिच्छू पानी में गिर गया। भले आदमी ने बिच्छू को डूबने से बचाने के लिए एक बार फिर उठा लिया। वहाँ एक लड़का उस आदमी का बार-बार बिच्छू को पानी से निकालना और बार-बार बिच्छू का डंक मारना देख रहा था। उसने आदमी से कहा, आपको यह बिच्छू बार-बार डंक मार रहा है फिर भी आप उसे डूबने से क्यों बचाना चाहते हैं? भले आदमी ने कहा, बात यह है बेटा कि बिच्छू का स्वभाव है डंक मारना और मेरा स्वभाव है बचाना। जब बिच्छू एक कीड़ा होते हुए भी अपना स्वभाव नहीं छोड़ता तो मैं मनुष्य होकर अपना स्वभाव क्यों छोड़ूँ? मनुष्य को कभी भी अपना अच्छा स्वभाव नहीं भूलना चाहिए।

## क्या फिलहाल युद्ध का खतरा टला?

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

अमेरिकी राष्ट्रपति जोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्धविराम आगे बढ़ाने का ऐलान किया है। ट्रंप ने यह कदम मौजूदा सीजफायर के खत्म होने से कुछ घंटे पहले पाकिस्तान के अनुरोध पर उठाया है। उन्होंने कहा कि वे ईरान की तरफ से कोई प्रोजेक्ट मिलने तक जंगबंदी को आगे बढ़ा रहे हैं। इससे जंग फिलहाल के लिए टल गई है और मध्यस्थ पाकिस्तान को अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का नया दौर आयोजित करने के लिए समय मिल गया है। जोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि हमने इस बात को समझा है कि ईरान की सरकार गंभीर रूप से बंदी हुई है। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर और पीएम शहबाज शरीफ ने मुझे सीजफायर बढ़ाने का अनुरोध किया। हमसे कहा गया है कि हम ईरान पर तब तक हमले ना किए जाएं, जब तक कि उनके नेता और प्रतिनिधि एकमत से कोई प्रस्ताव लेकर नहीं आ जाते हैं।

जोनाल्ड ट्रंप ने आगे लिखा कि पाकिस्तान की गुजारिश पर मैं युद्धविराम को तब तक के लिए बढ़ा रहा हूँ जब तक कि ईरान की ओर से प्रोजेक्ट पेश नहीं कर दिया जाता और चर्चा पूरी नहीं हो जाती, चाहे वह किसी भी नतीजे पर पहुंचें। मैंने अपनी सेना को निर्देश दिया है कि वह नाकेबंदी जारी रखे और बाकी सभी मामलों के लिए तैयार रहे। जोनाल्ड ट्रंप के इस ऐलान से फिलहाल के लिए लड़ाई के फिर से शुरू होने का खतरा टल गया है। हालांकि अभी भी दोनों पक्षों के बीच गहरे मतभेद बने हुए हैं। अमेरिकी बातचीत टीम का नेतृत्व करने के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान की प्रस्तावित यात्रा टाल दी गई है। होर्मुज स्ट्रेट में ईरान पर अमेरिका की नाकेबंदी भी अभी जारी है। अपनी और फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर की ओर से मैं राष्ट्रपति ट्रंप का शुक्रिया अदा करता हूँ कि उन्होंने हमारी सीजफायर को आगे बढ़ाने की बात मान ली। मुझे उम्मीद है कि दोनों पक्ष सीजफायर का पालन करेंगे और इस्लामाबाद में बातचीत के दूसरे दौर में इस संघर्ष को हमेशा के खत्म करने के लिए व्यापक शांति समझौता कर पाएंगे।

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने कहा है कि वह राष्ट्रपति जोनाल्ड ट्रंप का तबे दिल से शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने पाकिस्तानी की युद्धविराम को आगे बढ़ाने की गुजारिश को मान लिया ताकि चल रही कूटनीतिक कोशिशें आगे बढ़ सकें। पाकिस्तान इस संघर्ष के बातचीत के जरिए हल के लिए अपनी पूरी कोशिशें जारी रखेगा। अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमले करते हुए युद्ध शुरू किया, जो करीब छह हफ्ते तक चला। आखिरकार 8 अप्रैल को ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच जंगबंदी हुई। इस बीच 11 अप्रैल को पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत हुई लेकिन बेमतीजा रही। फिलहाल इस सीजफायर को आगे बढ़ाया



संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी पूरी ताकत के साथ इस युद्ध में उतर गया; लेकिन अब राष्ट्रपति को इस सवाल का सामना करना पड़ रहा है कि उन्हें घर पर क्या मिला; यह आश्चर्य की बात नहीं है कि ईरान ने संयुक्त राज्य अमेरिका से अपना हाथ वापस लेने का साहस दिखाया है, और संयुक्त राज्य अमेरिका के पास इसे पुनर्जीवित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

यह है। संयुक्त राष्ट्र के सेक्रेटरी-जनरल एंटोनियो गुटेरेस ने ईरान के साथ सीजफायर बढ़ाने के अमेरिका के ऐलान को तनाव कम करने की दिशा में अहम कदम बताया है। उन्होंने कहा है कि यह ऐलान ईरान और अमेरिका के बीच कूटनीति और भरोसा बनाने के लिए एक जरूरी जगह बनाएगा। हम सभी पक्षों को इस गति को बनाए रखने और ऐसे कामों से बचने की अपील करते हैं, जो सीजफायर को कमजोर कर सकते हैं। गौरवलेब है कि इससे पहले भी, ट्रंप, जो यह स्पष्ट करके ईरान को डराना चाहते थे कि वह ऐसा कुछ नहीं करेंगे, को खुद संघर्ष विराम को समाप्त करना पड़ा और युद्धविराम को अस्थायी रूप से बढ़ाना पड़ा। यह ट्रंप की लाचारी है, जिसे ईरान ने देखा है और स्पष्ट रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के दबाव के सामने खड़े होने और पसीना बहाने के उनके इरादे को दर्शाता है। होर्मुज स्ट्रेट में ईरान पर हमले करते हुए युद्ध शुरू किया, जो करीब छह हफ्ते तक चला। आखिरकार 8 अप्रैल को ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच जंगबंदी हुई। इस बीच 11 अप्रैल को पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत हुई लेकिन बेमतीजा रही। फिलहाल इस सीजफायर को आगे बढ़ाया

आत्मसमर्पण नहीं करेगा, लेकिन ट्रंप को निराशा पहुंचाएगा। ईरान ने न केवल यह स्पष्ट रूप अपनाया है कि हम तब तक अमेरिका के साथ बातचीत नहीं करेंगे, बल्कि उसने इसे आज तक बरकरार रखा है। ईरान ने ऐसा नहीं किया होता, ताकि अगर वह अमेरिकी दबाव के आगे झुक जाता और पाकिस्तान में वार्ता में भाग लेता तो उसे एक तरह से आत्मसमर्पण माना जाता। ईरान ने ऐसा बिल्कुल नहीं होने दिया। उन्होंने अमेरिका को और आगे बढ़ाने का फैसला किया। ऐसा प्रतीत होता है। ऐसा नहीं है कि ईरान को इस बात का एहसास नहीं है कि ऐसा करने से जो भी संचार सूत्र होगा, वह भी टूट जाएगा। फिर भी वह इतना कठोर रूप अपनाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यदि संचार का पुल वास्तव में टूट जाता है, तो ईरान शारीरिक रूप से प्रभावित होगा, लेकिन यह स्पष्ट है कि नैतिक झटका केवल संयुक्त राज्य अमेरिका को ही भुगताना पड़ेगा, क्योंकि ईरान के पास खोने के लिए कुछ नहीं है। यदि संयुक्त राज्य अमेरिका नए हवाई हमले करता है, तो कुछ और पुल, इमारतें, बांध, बिजली संयंत्र आदि ध्वस्त हो जाएंगे और कुछ सौ लोगों की जान चली जाएगी। वे वैसे भी

चले गए हैं और अचल संपत्ति बर्बाद हो गई है। ऐसा नहीं है कि ईरान ने गणना नहीं की कि संयुक्त राज्य अमेरिका और क्या करेगा। लेकिन इसके विपरीत, इसने संयुक्त राज्य अमेरिका की समस्या को बढ़ा दिया, क्योंकि अगर ईरान वार्ता और सुलह के लिए सहमत नहीं होता, तो यह संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक सवाल होता। लेकिन झुकेंगे नहीं झुकेंगे की नीति गिर गई है। किसी भी युद्ध में बुद्धिमान लोग एक सावधानी बरतते हैं।

यह सच्चाई और बुद्धिमत्ता रूस और अमेरिका के बीच लंबे समय तक चले युद्ध में भी प्रदर्शित होगी, जिन्होंने विरोधी देशों के राष्ट्रपतियों पर हमला नहीं किया है, इसलिए नहीं कि वे ऐसा नहीं कर सकते, बल्कि इसलिए कि उन्हें एक महत्वपूर्ण क्षण में बातचीत के लिए आगे आने के लिए विषय के शीर्ष नेतृत्व की आवश्यकता है। प्रतिद्वंद्वी को सबसे अधिक नुकसान होता है, और एक तरह की लाचारी पैदा करता है। यह जो आप करना चाहते हैं वह करें का एक जिद्दी स्वर बनाता है। यह ईरान के व्यवहार से स्पष्ट है। यह सच है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई पहले हमले में मारे गए थे क्योंकि इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू एक नरसंहार नेता थे। लेकिन इससे सवाल खड़ा हो गया कि किससे बात की जाए। खामेनी, जो अपने नब्बे के दशक में हैं, कितने समय तक स्वाभाविक रूप से जीवित रहे होंगे? लेकिन जब तक ऐसा था, संयुक्त राज्य अमेरिका के पास ईरान के साथ बातचीत करने का एक तरीका था, लेकिन बहादुरी के नाम पर उन्होंने पहले झटके में खामेनेई को मार डाला, और फिर संयुक्त राज्य अमेरिका शासन परिवर्तन, शासन परिवर्तन चाहता था, और ऐसा नहीं हुआ। अगर खामेनेई वहां होते, तो कम से कम बातचीत का विकल्प खुला होता।

ट्रंप ने इसे नहीं देखा, क्योंकि आज के अमेरिकी नेतृत्व में इसे देखने की दूरदर्शिता का अभाव है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका को और भी अधिक नुकसान पहुंचाएगा। क्योंकि ईरान युद्ध अपेक्षा से अधिक तनावपूर्ण था और अनुचित तनाव झेल रहा था, यूरोपीय सहयोगी संयुक्त राज्य अमेरिका से हट गए, और इजरायल, जिसके लिए संयुक्त राज्य अमेरिका ने युद्ध का खामियाजा उठाया, भी प्रसिद्ध हो गया है, और चीन और रूस को एक छोटे पैमाने पर ईरानी झूठ द्वारा लक्षित किए जाने का अपमान सहना पड़ा है जिसने लाखों अमेरिकी प्रणालियों को निशाना बनाया है। हिटों का टकराव। इसलिए संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी पूरी ताकत के साथ इस युद्ध में उतर गया; लेकिन अब राष्ट्रपति को इस सवाल का सामना करना पड़ रहा है कि उन्हें घर पर क्या मिला; यह आश्चर्य की बात नहीं है कि ईरान ने संयुक्त राज्य अमेरिका से अपना हाथ वापस लेने का साहस दिखाया है, और संयुक्त राज्य अमेरिका के पास इसे पुनर्जीवित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। संयुक्त राज्य अमेरिका चाहता है कि युद्धविराम को दीर्घकालिक संघर्ष विराम में बदल दिया जाए। ईरान अमेरिका को नीची नजर से देखने को तैयार नहीं है, लेकिन अमेरिका को यह इनकार झेलना होगा। क्या एक बार भी अमेरिकी राष्ट्रपति इस अप्रैल में खुद को बेवकूफ नहीं बना पाएंगे।

## नजरिया

## रामधारी सिंह दिनकर : पुण्यतिथि (24 अप्रैल) पर विशेष

## ओजस्विता और देशभक्ति के प्रतीक थे दिनकर

डॉ ज्योत्सना आर्य सोनी

मोबाइल : 8147464101

राष्ट्रकवि के रूप में समादृत और लोकप्रिय कवि रामधारी सिंह दिनकर का जन्म 23 सितंबर 1908 को बिहार के बेगूसराय जिले के सिमरिया गाँव में एक कृषक परिवार में हुआ था। उनका जीवन बचपन से ही संघर्षमय रहा। शिक्षा के लिए उन्हें पैदल चलकर गंगा घाट तक जाना पड़ता था और फिर नाव से पार उतरकर पुनः पैदल विद्यालय जाना होता था। इन्होंने पटना विश्वविद्यालय से बी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आजीविका के लिए पहले अध्यापक के रूप में कार्य किया, फिर बिहार सरकार में सब-रजिस्ट्रार के पद पर नियुक्त हुए।

अंग्रेज सरकार के युद्ध-प्रचार विभाग में कार्यरत रहते हुए भी उन्होंने उनके विरुद्ध कविताएँ लिखीं। आजादी के पश्चात इन्होंने मुजफ्फरपुर कॉलेज में अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष पद पर कार्य किया। वर्ष 1952 में वे राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए, जहाँ दो कार्यकाल तक संसद सदस्य के रूप में अपना योगदान दिया। इसके उपरांत वे भागलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त किए गए और एक वर्ष बाद भारत सरकार ने उन्हें हिंदी सलाहकार नियुक्त कर पुनः दिल्ली बुला लिया।

ओज, विद्रोह और आक्रोश के साथ-साथ उन्होंने कोमल एवं श्रृंगारिक कविताएँ भी लिखीं। हाई स्कूल के दिनों से ही उन्होंने लेखन प्रारंभ कर दिया था। रामवृक्ष बेनीपुरी द्वारा प्रकाशित 'युवक' पत्रिका में वे 'अमिताभ' नाम से अपनी कविताएँ भेजते थे। बारदोली 'विजय संदेश' उनका पहला काव्य-संग्रह था। दिनकर ने प्रबंध काव्य और मुक्तक दोनों विधाओं में रचनाएँ कीं। इन्होंने निबंध, संस्मरण, आलोचना, डायरी और इतिहास आदि के माध्यम से भी हिंदी साहित्य को समृद्ध किया।

'प्रणभंग', 'रसवंती', 'डूंगरीत', 'रेणुका', 'सामधेनी', 'कुरुक्षेत्र', 'रश्मिरेथी', 'उर्वशी',



उनका साहित्य संस्कृतिवाद का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने भारतीय संस्कृति, भाषा और राष्ट्र के अंतर्संबंधों को अपने साहित्य के केंद्र में रखा। उनके अनुसार संस्कृति के माध्यम से ही हम मानवीय मूल्यों को संरक्षित कर सकते हैं। उन्होंने अपनी कविताओं के माध्यम से जनता में राष्ट्रवाद की भावना जागृत की। उनकी कविताओं में ब्रिटिश साम्राज्य की नीतियों, गरीबी, अशिक्षा और सामाजिक कुरीतियों के प्रति ओजस्वी स्वर दिखाई देता है।

के माध्यम से उन्होंने मानवीय संवेदनाओं, युद्ध, कर्तव्य और अधिकारों के द्वंद्व को चित्रित किया है। वर्तमान समय में उनकी रचनाएँ उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी पहले थीं, क्योंकि वे सामाजिक न्याय और जन-जागरण की बात करती हैं। दिनकर का समय साहित्य भारतीय जनता में आत्मविश्वास, देशप्रेम, वीरता, ईमानदारी, स्वाभिमान और कर्तव्यपरायणता जैसे गुणों का विकास करता है। आज जब दुनिया बारूद के ढेर पर बैठी है और मानवता के नाम पर अराजकता, असमानता और अव्यवस्था फैल रही है, ऐसे विषम वातावरण में उनका साहित्य आशा की किरण जगाता है। यह मानवता पर मंडरा रहे खतरे के प्रति चेतावनी देता है और एक बेहतर भविष्य की ओर प्रेरित करता है।

उनकी राष्ट्रीय चेतना में भोगवाद, भाव्याद, अकर्मण्यता, असमानता, सांप्रदायिकता और ब्राह्मणवाद का विरोध दिखाई देता है। उनकी राष्ट्रीयता में कर्म और स्वाभिमान दोनों का समन्वय है। सामाजिक कुरीतियों और धार्मिक पाखंड के विरुद्ध उनका काव्य मानवता का सशक्त प्रतीक है।

तो ले, मैं भी अब जाता हूँ  
अंतिम संस्करण सुनाता हूँ

याचना नहीं अब रहण होगा  
जीवन-जय या कि मरण होगा  
(रश्मिरेथी, पृष्ठ 44)

राष्ट्रकवि केवल राष्ट्र के लिए ही नहीं लिखता, बल्कि वह उन अनुभूतियों को अभिव्यक्त करता है जो सत्य, न्याय और मानवता की रक्षा से जुड़ी होती हैं। क्षेत्रीयता या संकीर्णता किसी कवि को महान नहीं बनाती, बल्कि उसकी मानवीय संवेदनाएँ और दृष्टिकोण उसे महान बनाते हैं।

शांति नहीं तब तक, जब तक  
सुख-भाग न नर का सम हो,  
नहीं किसी को बहुत अधिक हो,  
नहीं किसी को कम हो।

दिनकर जी की राष्ट्रीयता समानता, बंधुत्व, कर्मशीलता, पुरुषार्थ, स्वाभिमान और आत्मबल को पुष्ट करती है। वे राष्ट्रीय चेतना के कवि हैं। उनका साहित्य व्यक्ति को अपने उत्तरदायित्व समझने और उन्हें निभाने के लिए प्रेरित करता है। उनकी रचनाएँ कल भी प्रासंगिक थीं, आज भी हैं और भविष्य में भी रहेंगी।

- लेखिका एसआरएन आदर्श  
महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं।

## महत्त्वपूर्ण

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4, 1st floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekanth Parashar. (\*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वार्ता, टैंगर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में सम्पत्त जानकारी यह स्वयं प्राप्त करें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उद्योगों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के बदलों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा वारा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रण एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन



शिमला के चौड़ा मैदान में 'महिला जन आक्रोश पद यात्रा' के दौरान महिलाओं ने कांग्रेस पार्टी के खिलाफ नारे लगाते हुए।

भारत बिना सुधारों के आत्मसंतोष का जोखिम उठाता है : बर्नस्टीन ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में कहा

नई दिल्ली/भाषा

ब्रोकरेज कंपनी बर्नस्टीन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम लिखे एक खुले पत्र में आगाह किया कि यदि भारत संरचनात्मक सुधारों, विशेषकर रोजगार, विनिर्माण एवं नवाचार में तेजी नहीं लाता है तो हाल के आर्थिक लाभ व्यर्थ हो सकते हैं। इसमें कहा गया है, पिछले छह वर्ष दिखाते हैं कि जन नीतियां समन्वित होती हैं तो भारत क्या कर सकता है। लेकिन साथ ही एक जोखिम भी है... यह मान लेना कि हाल की सफलता आगे भी जारी रहेगी और इस बात को कम आंकना कि अभी कितना काम बाकी है। पत्र में पूंजीगत व्यय की और स्थायित्व से प्रेरित मजबूत वृद्धि स्थिरता और आय वृद्धि का उल्लेख किया गया। बर्नस्टीन ने कहा कि वैश्विक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) रैंकिंग में भारत की बढ़त और सस्ते की बजाय बुनियादी ढांचे पर ध्यान न देना जो आधार दिया है, लेकिन

वैश्विक परिवृद्धि तेजी से बदल रहा है जहां आपूर्ति शृंखलाएं पुनर्गठित हो रही हैं और प्रौद्योगिकी व्यवधान तेज हो रहा है। एक प्रमुख चिंता रोजगार है, खासकर तब जब 'जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' (जेन एआई) उस सेवा क्षेत्र के लिए खतरा बन रहा है जिसने दशकों तक भारत के मध्यम वर्ग को आगे बढ़ाया है। बर्नस्टीन ने साथ ही यह भी संवाल उठाया कि क्या विनिर्माण क्षेत्र बड़े पैमाने पर विस्थापित श्रम को समायोजित कर सकता है। यह देखते हुए कि निजी पूंजीगत व्यय चरमनात्मक बना हुआ है और बहुचर्चित चीन+1 बदलाव को रोजगार में तब्दील होने में समय लग रहा है।

पत्र में कहा गया है, अंततः, कोई देश अपने लोगों को कहां और कैसे तैनात करता है, यही उसके दीर्घकालिक भविष्य को निर्धारित करता है। इसमें कहा गया, क्या हमारी वृद्धि गाथा का अगला चरण अधिक इंजीनियर, उत्पाद निर्माताओं और नवप्रवर्तकों का सृजन करेगा, या यह मुख्य रूप से अधिक चालकों, शिलीवरी कर्मचारियों और घरेलू सहायकों का सृजन करेगा? **संरचनात्मक बाधाएं**

पत्र में कृषि को एक प्रमुख बाधा बताया गया, जहां लगभग 42-45 प्रतिशत कार्यबल केवल 15-16 प्रतिशत जीडीपी में योगदान देता है। इसमें कृषि कानूनों की वापसी के बावजूद सुधारों को फिर से शुरू करने, सिंचाई बढ़ाने और सस्ते की बात कही गई। ऊर्जा के क्षेत्र में, ब्रोकरेज कंपनी ने बिजली वितरण में लगातार अक्षमताओं और आयातित कच्चे तेल पर भारी निर्भरता (जो लगभग 88 प्रतिशत मांग पूरी करता है) की ओर इशारा किया। इसमें आंतरिक दहन इंजन वाहनों से चरणबद्ध रूप से टटने सहित इलेक्ट्रिक परिवहन की ओर स्पष्ट बदलाव का आह्वान किया गया। बर्नस्टीन ने आगाह किया कि भारत बुनियादी प्रौद्योगिकी विकसित करने के बजाय डेटा सेंटर पर ध्यान केंद्रित करके कृत्रिम मेधा (एआई) में पीछे रह सकता है। पत्र में कहा गया, यदि भारतीय डेटा का उपयोग वैश्विक मॉडल को प्रशिक्षित करने में होता रहा और घरेलू क्षमता का निर्माण नहीं हुआ, तो भारत एआई अर्थव्यवस्था में स्थायी उपभोक्ता बन सकता है।

भारत में अरबपतियों की संख्या 2031 तक 51 प्रतिशत बढ़कर 313 होने का अनुमान

नई दिल्ली/भाषा। देश में प्रौद्योगिकी, औद्योगिक क्षेत्रों और पूंजी बाजारों में संपत्ति सृजन से 2031 तक अत्यधिक नेटवर्थ वाले व्यक्तियों की संख्या 25,217 और अरबपतियों की 313 होने का अनुमान है। अत्यधिक नेटवर्थ वाले व्यक्ति (यूएचएनडब्ल्यूआई) वे होते हैं जिनकी कुल संपत्ति तीन करोड़ डॉलर या उससे अधिक होती है। वर्तमान में भारत में ऐसे व्यक्तियों की संख्या 19,877 है। जबकि अरबपतियों की संख्या 207 है। रिवाल एस्टेट्स सोलाहाकार नाइट फ्रेंक ने अपनी 'द वैल्यू रिपोर्ट 2026' बृहस्पतिवार को जारी की। इसमें कहा गया कि वैश्विक अनिश्चितताओं, बढ़ती व्याज दरों की चिंताओं और असमान आर्थिक प्रदर्शन के बावजूद वैश्विक संपत्ति सृजन में तेजी से वृद्धि हुई है।

नाइट फ्रेंक के अनुसार, भारत में यूएचएनडब्ल्यूआई की संख्या 19,877 से बढ़कर 2031 तक 25,217 होने का अनुमान है, जो वैश्विक संपत्ति परिवृद्धि में उसकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। साथ ही प्रौद्योगिकी, औद्योगिक क्षेत्रों और पूंजी बाजारों में असाधारण संपत्ति सृजन को भी रेखांकित करता है। भारत में यूएचएनडब्ल्यूआई की कुल संख्या में मुंबई की हिस्सेदारी 35.4 प्रतिशत है। भारत अब दुनिया में यूएचएनडब्ल्यूआई की छठी सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। वैश्विक स्तर पर यूएचएनडब्ल्यूआई की संख्या 2021 के 5,51,435 से बढ़कर 7,13,626 हो गई है।

ओटीटी के दौर में बदला भारतीय सिनेमा का चेहरा : पल्लवी चटर्जी

मुंबई/एजेन्सी



बंगाली सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री पल्लवी चटर्जी ने बातचीत में मनोरंजन जगत में आए बदलावों और करियर के उतार-चढ़ाव पर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे ओटीटी ने कहानी कहने के तरीके और कलाकारों के लिए उपलब्धियां ला दी हैं। अभिनेत्री ने कहा, मैं एक ऐसे परिवार से ताल्लुक रखती हूँ, जो बचपन से ही इंडस्ट्री को देखती हुई हूँ। एक अभिनेत्री के तौर पर सिर्फ जल्दबाजी से परे भी बहुत सी चीजें नोटिस करते हैं। आस-पास के माहौल से सीखने और समझने के लिए बहुत कुछ होता है। उन्होंने कहा, ओटीटी के आने से पहले एक निश्चित उम्र के बाद अभिनेत्रियों के

लि ए फिल्मों में काम किया है। विभिन्न भाषाओं में काम करने के अनुभव को उन्होंने के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि एक अभिनेता के लिए किरदार सबसे महत्वपूर्ण होता है, लेकिन भाषा पर पकड़ होना भी उतना ही अनिवार्य है। उन्होंने कहा, यदि कोई अभिनेता भाषा में सहज नहीं है, तो उसका पूरा ध्यान अभिनय के बजाय सही संवाद बोलने पर लगा रहता है। मैं हिंदी और बंगाली में सहज हूँ, लेकिन जब मैंने उड़िया फिल्म की, तो मैंने वहां के स्थानीय लोगों और तकनीशियनों के साथ घंटों बैठकर अपने उच्चारण को सुधारा।

बाबा महाकाल के दर पहुंची 'शैतान' एक्ट्रेस जानकी बोदीवाला, नंदी महाराज के कानों में कही मनोकामना

उज्जैन/एजेन्सी



अजय देवगन की फिल्म 'शैतान' से हिंदी फिल्मों में कदम रखने वाली अभिनेत्री जानकी बोदीवाला ने बुधवार को उज्जैन पहुंचकर विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर के दर्शन करने पहुंची। अभिनेत्री ने नंदी हॉल से बाबा महाकाल की भस्म आरती और पूजन में भाग लिया। भस्म के दौरान हजारों की संख्या में भक्त मौजूद रहे और पूरा मंदिर परिसर ओम नमः पार्वती पतये हर हर मन्दीवे के उद्घोष से गुंज उठा। मुख्य रूप से गुजराती सिनेमा में सक्रिय अभिनेत्री जानकी बोदीवाला बाबा महाकाल के दर पर भक्ति के रंग में रंगी नजर आईं। नंदी मंडप के पास बैठकर उन्होंने बाबा का ध्यान किया और नंदी महाराज के गानों में अपनी मनोकामना कही। दर्शन के बाद अभिनेत्री ने कहा, बाबा महाकाल के दर्शन के अनुभव को शब्दों में बयां कर पाना

मैं उन्होंने अजय देवगन के साथ बॉलीवुड फिल्म 'शैतान' में अपनी दमदार एक्टिंग से देशभर में पहचान बनाई है। सिनेमा और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सक्रिय जानकी बाबा का आशीर्वाद लेकर बेहद अभिभूत दिखीं। बता दें कि अभिनेत्री ने पहले गुजराती फिल्म वश में काम किया, जिसमें उनकी एक्टिंग को खूब सराहा गया। इसी फिल्म का रोमक बॉलीवुड में 'शैतान' के नाम से बना और शैतान में भी जानकी को ही बतौर लीड कास्ट किया गया, जो एक वशीकरण से पीड़ित लड़की है। गुजराती फिल्म वश का दूसरा सीक्वल 'वश लेवल-2' भी साल 2025 में रिलीज हो चुका है। इस फिल्म में भी सिनेमा पर गहरी छाप छोड़ी। फिल्म का डायरेक्शन कृष्णदेव यादव ने किया और फिल्म में जानकी के अलावा, हितू कनोडिया, हितेन कुमार और मोनल गज्जर ने अहम रोलस किए हैं।



'दादी की शादी' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई। बॉलीवुड में इन दिनों फिल्म 'दादी की शादी' की चर्चा जोरों पर है। इस कड़ी में मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें कॉमेडी, ड्रामा और रिश्तों की उलझन में एक साथ देखने को मिल रही है। ट्रेलर में जहां हंसी के पल हैं, वहीं कई जगह कहानी में ट्विस्ट भी हैं, जो दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाते हैं। ट्रेलर की शुरुआत एक नॉर्मल फेमिली सेटअप से होती है, लेकिन धीरे-धीरे कहानी एक बड़े और मजेदार मोड़ पर पहुंच जाती है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे एक परिवार में शादी को लेकर हलचल मच जाती है। कपिल शर्मा का किरदार टोनी तलाक के बाद अपनी नई

जिंदगी शुरू करना चाहता है और सादिया खतीब से दूसरी शादी करने की तैयारी में होता है। सब कुछ ठीक चल रहा होता है, लेकिन तभी कपूर ने अचानक बड़ा बदलाव आता है। दरअसल, सादिया खतीब की दादी (नीतू कपूर) शादी करने का फैसला लेती हैं। ऐसे में टोनी के दादा (योगराज सिंह) कहते हैं कि अगर लड़की की मां ने शादी की, तो वह रिश्ता तोड़ देंगे। इसके बाद पूरे परिवार को उलझन में दिखाया जाता है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि दादी को शादी करने से रोकने के लिए मनाया जाता है। कहानी में दिलचस्प मोड़ तब आता है, जब कपिल शर्मा यह पता लगाने की कोशिश करते हैं कि आखिर दादी की जिंदगी में कौन व्यक्ति आया है। जैसे-जैसे यह इस रहस्य को

सिनेमा कमी भी एक इंसान का सफर नहीं होता : संयुक्ता

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री संयुक्ता अपनी लगातार शानदार कमाई के दम पर इंडस्ट्री में एक मजबूत पहचान बना रही हैं। अपनी नैचुरल स्क्रीन प्रेजेंस और वसंतिलिटी के लिए जानने जाने वाली संयुक्ता ने धीरे-धीरे दर्शकों के बीच एक खास जगह बना ली है। अब उनके इस सफर में एक और अहम पड़ाव जुड़ गया है। उन्होंने अपने आने वाले प्रोजेक्ट ब्लैक गोल्ड का आखिरी शेड्यूल पूरा कर लिया है। फैंस को इस सफर की झलक देते हुए संयुक्ता ने सोशल मीडिया पर सेट के कुछ बिहाइंड-द-सीन्स मोमेंट्स शेयर किए, साथ ही एक भावुक नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने पूरी टीम के प्रति आभार जताया और इस अनुभव को याद किया। अपने नोट में उन्होंने सिनेमा की टीमवर्क वाली भावना को व्यक्त करते हुए लिखा: दो दिन पहले हमने इशरलंड्सक्रेयव का एक शेड्यूल पूरा किया, और मेरा दिल भर आया है। श सिनेमा कभी भी एक व्यक्ति का सफर नहीं होता।



यह अनगिनत हाथों, दिलों और इरादों का संगम है, जहां हर विभाग एक ही दिशा में काम करता है। हमने यहां जो रचा है, वह उसी सामूहिक भावना का प्रतिबिंब है, और मैं इसके लिए दिल से आभारी हूँ। बळश्रीसळ सर- हर चीज के लिए धन्यवाद। आपका विश्वास और मार्गदर्शन शब्दों से परे है। मैं करियर ने हमें हर तरह से परखा।

4045ओउ की तेज गर्मी और तपता हुआ सूरज- सब कुछ मुश्किल था, लेकिन हमारी टीम भी उतनी ही मजबूत रही। गर्मी, थकान और हर मुश्किल के बीच, आप सपने हिम्मत, जुनून और उद्देश्य के साथ काम किया। ऐसी दुदता बहुत देखने को मिलती है, और मुझे गर्व है कि मैं इसका हिस्सा रही। हर एक क्यू मेंबर को धन्यवाद, आपने नामुकिन को मुमकिन बना दिया। काम की बात करें तो संयुक्ता के पास आगे कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स हैं। यह जल्द ही स्वयंभू, ब्लैक गोल्ड और अमेजन प्राइम वीडियो के शो गुव्याला चेरुवु घाट में नजर आएंगी। इसके अलावा भी उनके पास कुछ और अनॉस नके गए प्रोजेक्ट्स हैं, जो उनके करियर के इस दौर को और भी खास बनाने वाले हैं।

खुशी



प्रयागराज में गुरुवार को उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा के नतीजों की घोषणा के बाद स्टूडेंट्स एक रकूटेंट को गुलाल लगाते हुए।

अकेलेपन में टूट गई थीं मालविका मोहनन, बोली- 'कमरे में लौटकर बात करने वाला कोई नहीं था'

मुंबई/एजेन्सी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री मालविका मोहनन अक्सर अपनी फिल्मों और र्लैमर्स अंदाज को लेकर चर्चा में रहती हैं। लेकिन, चमकती दुनिया के पीछे कलाकारों की जिंदगी में कई बार ऐसा अकेलापन भी होता है, जिसके बारे में लोग कम ही जानते हैं। हाल ही में मालविका ने अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की और बताया कि एक समय ऐसा आया था, जब वह अंदर से काफी टूट गई थीं। उन्होंने बताया कि परिवार और अपनों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। दरअसल, मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ 'आरक मी एनीथिंग' सेशन रखा था। इस दौरान फैंस ने उनसे कई निजी और प्रोफेशनल सवाल पूछे। इसी बीच एक फैन ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने कहा, "पिछले महीने में काम के सिलसिले में चेन्नई में थीं। वहां मुझे लंबे समय तक रुकना पड़ा था। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी ठीक चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थीं।" उन्होंने कहा, "दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद जब मैं रात में अपने होटल के कमरे में लौटती थीं, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यही चीज मुझे अंदर से परेशान करने लगी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी। लगातार अकेले रहने का असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसके वजह से मुझे रोना आता था।" अपने निजी अनुभव साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं। मालविका ने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने बताया कि इस फिल्म का नाम 'पॉकेट नॉवेल' है और यह इसी साल रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, "इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूँ और उम्मीद करती हूँ कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए खास अनुभव रहा है।"



कुब्रा सैत ने की अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर पर खुलकर बात

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री कुब्रा सैत ने हाल ही में अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) के सफर के बारे में खुलकर बात की और इसे अपनी कमी के बजाय अपना सुपर पावर बताया। एक ईमानदार और दिल से किए गए इस वीडियो में कुब्रा ने बताया कि कैसे सालों की सेल्फ-रिफ्लेक्शन और थेरेपी ने उन्हें अपने मन को बेहतर तरीके से समझने में मदद की। उन्होंने माना कि



एडीएचडी के साथ कुछ चुनौतियां जरूर आती हैं, लेकिन इसे अपनाते से उन्होंने अपनी क्रिएटिविटी, फोकस और इंडिविजुअलिटी को नए तरीके से पहचानने में काफी मदद मिली। गौरतलब है कि एडीएचडी एक तरह की मानसिक परेशानी है, जिसमें आप चाहकर भी किसी एक काम पर फॉक्स नहीं कर पाते। कुब्रा ने इस पर बात करते हुए अपने केंप्शन में लिखा है, गुड मॉर्निंग, ह्यूमंस में पूरी तरह से एक फंक्शनल एडीएचडी दिमाग है। हालांकि मुझे इस बारे में बात करने में वक्त लगा, लेकिन अब ऐसा लगता है कि थेरेपी

ने मुझे न सिर्फ क्लैरिटी दी, बल्कि इसने मुझे फोकस करने की क्षमता और अपनी अंदरूनी आवाज की खूबसूरती को समझने का नजरिया भी दिया। यही वजह है कि मैं आज पहले से ज्यादा कॉन्फिडेंट और खुश हूँ। कुब्रा ने यह भी साझा किया कि पहले शायद वह अपनी नैचुरल प्रवृत्ति के खिलाफ काम करती थीं, लेकिन अब उन्होंने इस पर विजय पा ली है। इस वीडियो के साथ उन्होंने लोगों को भी अपने अनुभवों को अपनाने और खुलकर साझा करने के लिए प्रेरित किया है। फिलहाल अपने अलग और

दमदार काम के लिए जानी जाने वाली कुब्रा सैत ने फिल्मों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक खास पहचान बनाई है और सन ऑफ सरवार 2, टायल और संकल्प जैसे प्रोजेक्ट्स में उनके काम ने उनकी वसंतिलिटी को साबित किया है। कुब्रा की यह बात वाकई काबिले गौर है कि एडीएचडी को लेकर उनकी यह ईमानदार बातचीत न सिर्फ मेटल हेल्थ से जुड़े मुद्दों को सामान्य बनाने में मदद करती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि हमारी अलग-अलग खूबियां ही हमारी असली ताकत हो सकती हैं।



## जो समस्त प्राणियों के लिए त्याग करता है, वही जगत का मसीहा : डॉ समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ, कम्मनहल्ली में आयोजित प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए डॉ. समकितमुनिजी ने कहा कि सभी जीवों की रक्षा करना जैन धर्म का मूल मंत्र है। जैन धर्म एकमात्र ऐसा धर्म है, जो सूक्ष्म से सूक्ष्म जीवों की रक्षा का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि जिस आत्मा के मन में

सभी जीवों को जिनशासन से जोड़ने का संकल्प होता है, वही आत्मा समय आने पर तीर्थंकर बनती है। तीर्थंकर परमात्मा का उद्देश्य केवल स्वयं का कल्याण नहीं, बल्कि समस्त जीवों को अहिंसा और धर्म के मार्ग पर अग्रसर करना होता है। उन्होंने कहा कि सपना देखना और उसे साकार करने के लिए पूर्ण समर्पण से सपने को पूरा करने के लिए जुट जाना दोनों में अंतर होता है। जो व्यक्ति समस्त प्राणियों के लिए त्याग करता है, वही जगत का

मसीहा बनता है। तीर्थंकर परमात्मा का एक ही लक्ष्य होता है, समस्त जीवों को जिनशासन से जोड़ना। परमात्मा को हमने भले ही अपने हृदय में स्थान न दिया हो, परंतु परमात्मा ने सदैव हमें अपने हृदय में स्थान दिया है। वही हमारे जीवन रूपी नौका को पार लगाते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे। अध्यक्ष विजयराज चुतर ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री हस्तीमल बाफना ने किया।



## आचार्य पदवी, पारणा व सहस्त्रावधान कार्यक्रम के लिए किया आमंत्रित-पन्थास कुशलमुनि को आचार्य पदवी जून में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बंगलूरु। गुरुवार को खरतरगच्छेय संतश्री मोहनलालजी के समुदायवर्ती पन्थासश्री वीरभद्रमुनिजी (विरागमुनि) के 114 दिन के उपवास की उत्र तपस्या आगे निरंतर जारी है। बसवन्गुड़ी दादावाड़ी संघ के ललित डाकलिया ने बताया कि रायपुर छत्तीसगढ़ की ओर विहारत विरागमुनिजी अभी तक 171, 121, 65 दिन के उपवास एवं कई अन्य छोटी-बड़ी तपस्याएं कर चुके हैं और इस बार



उनकी 114 दिनों और आगे के उपवास की तपस्या जारी है। अरविन्द कोठारी ने बताया कि विरागमुनिजी के गुरु गणाधीश पन्थासश्री विनय कुशलमुनिजी को

गणिवर्य से आचार्य पदवी भी आगामी जून माह में रायपुर छत्तीसगढ़ में प्रदान की जाएगी। इसी दिन 13 वर्षीय शतावधानी हंसभद्रमुनिजी द्वारा सहस्त्रावधान व तपस्या पारणे का कार्यक्रम रायपुर में आयोजित किया जा रहा है। इस त्रिअवसरय कार्यक्रम में बंगलूरु संघ को आमंत्रित करने के लिए रायपुर के आचार्य पदवी महोत्सव समिति के गौतमचंद्र डाकलिया व अन्य पदाधिकारियों ने गुरुवार को शहर के बसवन्गुड़ी स्थित जिनकुशल दादावाड़ी परिसर में दादावाड़ी के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया और रायपुर आने का न्यौता दिया

### देवी उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



बंगलूरु के साहस सिन्हा डॉक्टर विष्णुवर्धन युवक संघ द्वारा पाइपलाइन रोड विजयनगर में नगर देवता 'अण्णमा देवी उत्सव' हर्षाब्रह्म से मनाया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में महेंद्र मुण्णत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुण्णत को सम्मानित किया।

## नौसेना प्रमुख ने हिंद-प्राशांत क्षेत्र में चुनौतियों से निपटने के लिए परिचालन तालमेल पर जोर दिया

श्री विजय पुरम/भाषा

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने हिंद-प्राशांत क्षेत्र में उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सेना, नौसेना, वायुसेना और तटरक्षक बल के बीच समन्वय तथा पारस्परिक संचालन क्षमता के महत्व पर जोर दिया। एडमिरल त्रिपाठी दो दिवसीय दौर पर अंडमान और निकोबार कमान (एनसी) आए थे, जहां उन्होंने परिचालन तैयारियों की समीक्षा की और तीनों सेनाओं के बीच संयुक्त रूप से काम करने तथा बेहतर तालमेल मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की।

अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि 21 से 22 अप्रैल तक इस दौरे के दौरान एडमिरल त्रिपाठी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत बातचीत की और उन्हें क्षेत्र में जारी परिचालन गतिविधियों तथा पहलों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि चर्चाओं का केंद्र परिचालन समन्वय को मजबूत करना, तैयारियों में सुधार करना और सेनाओं के बीच एकीकरण को गहरा करना रहा। द्वीपों के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि एनसी क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने,

निगरानी क्षमता बढ़ाने और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है, विशेषकर महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों के निकट होने के कारण। उन्होंने यहां तैनात कर्मियों से भी बातचीत की और देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा में उनकी पेशेवर दक्षता, समर्पण और उच्च स्तर की परिचालन तत्परता की सराहना की। इससे पहले जनवरी में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह का दौरा किया था और भारतीय वायुसेना के कार निकोबार एयरबेस पर उन्नत रनवे का उद्घाटन किया था।

## आदर्श हाईस्कूल का शत-प्रतिशत रहा एसएसएलसी परिणाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बंगलूरु। स्थानीय आदर्श विद्या संघ द्वारा संचालित केएचएस आदर्श हाईस्कूल ने इस वर्ष एसएसएलसी परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत परिणाम हासिल किया है। विद्यालय के कुल 41 विद्यार्थियों में से सभी ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की, जो एक सराहनीय उपलब्धि है। इस वर्ष 17 विद्यार्थियों ने डिस्टिंक्शन प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

विषयवार परिणाम में हिंदी में 28 विद्यार्थियों ने डिस्टिंक्शन, सामाजिक विज्ञान में 23, विज्ञान में 11, गणित में 10, कन्नड़ में 9 तथा अंग्रेजी में 32 विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए। विशेष रूप से छात्रा कृष्णा जैन और छात्र आकाश ने हिंदी में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा यादव ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने इस सफलता का श्रेय शिक्षकों के समर्पण, प्रबंधन के सहयोग और विद्यार्थियों की मेहनत को दिया।

## उपाध्यायश्री केवलमुनि का 32वां पुण्यस्मरण दिवस 26 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बंगलूरु। स्थानीय गुरु केवल भक्त परिवार के तत्वावधान में रविवार को दोड्डनिकुन्दी बंगलूरु गौरक्षणा शाला परिसर में स्थित केवल आराधना स्थल पर उपाध्यायश्री केवलमुनिजी का 32 वां पुण्य स्मरण दिवस दो-दो सामायिक साधना के साथ मनाया जाएगा। केवलमुनिजी का वैश्या शुकल दशमी को बंगलूरु के शूले जैन स्थानक में देवलोक गमन हुआ था।

उनका अंतिम चातुर्मास अलसूर में हुआ था। पुण्य स्मरण प्रसंग पर आयोजित कार्यक्रम में श्रमण संघीय मंत्री श्री कमलमुनिजी



कमलेश, समकित मुनिजीएवं साध्वीश्री मनीषाजी आदि अपना साभिध्य प्रदान करेंगे। उत्तमचंद्र राकेशकुमार कोठारी परिवार इस आयोजन के लाभार्थी है। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने हेतु श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अनेक उपनगरों से बसों की व्यवस्था की गई है।



## महिला मंडल विजयनगर द्वारा संगठन यात्रा का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा बुधवार को चंद्रा लेआउट स्थित सीमा कोठारी के निवास पर संगठन यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के आसपास की सदस्याएं शामिल हुईं। उपाध्यक्ष

सुमित्रा बरडिया ने सदस्याओं का स्वागत करते हुए मंडल की गतिविधियों के बारे में बताया। मंत्री सरिता छाजेड़ ने सदस्याओं को केन्द्रीय महिला मंडल द्वारा आयोजित होने वाले ऑनलाइन कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा सभी को उससे जुड़ने का आह्वान किया। इस यात्रा में तीन युवतियों को मंडल का सदस्य बनाया गया।

## सोडियम की अधिकता, फलों की कम मात्रा के चलते 2023 में 59 लाख लोगों की हृदय रोग से मृत्यु हुई

नई दिल्ली/भाषा। सोडियम की अधिकता, फलों की कम मात्रा और साबुत अनाज की कमी वाले आहार के कारण 2023 में विश्व में 59.1 लाख लोगों की हृदय संबंधी रोगों से मौत हुई। यह बात एक अध्ययन में कही गई है। चीन के बीजिंग चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल के अनुसंधानकर्ताओं सहित अन्य अनुसंधानकर्ताओं ने 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी 2023' के आंकड़ों का विश्लेषण किया और 33 वर्षों की अवधि में 13 आहार संबंधी जोखिम कारकों का मूल्यांकन किया।

खान-पान संबंधी हृदय रोगों से होने वाली मौतों की कुल संख्या चीन में सबसे अधिक 13.6 लाख थी, जबकि भारत में यह संख्या 11.1 लाख थी। 'इनोवेशन न्यूट्रिशन' नामक पत्रिका में प्रकाशित विश्लेषण से यह भी पता चला है कि 'इस्केमिक' हृदय रोग और 'स्ट्रोक' खराब खान-पान की आदतों के प्राथमिक परिणाम हैं।

## चीनी राजदूत ने शहबाज शरीफ से मुलाकात की, पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान में नियुक्त चीन के राजदूत जियांग जेंगों ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की तथा पश्चिम एशिया की स्थिति और अमेरिका-ईरान युद्ध को समाप्त करने के लिए इस्लामाबाद के शांति प्रयासों पर चर्चा की। राजदूत जियांग ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से शिष्टाचार भेंट की। बैठक में उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार के अलावा योजना, विकास एवं विशेष पहल मंत्री अहसान इकबाल और सूचना मंत्री अताउल्ला तरार भी उपस्थित थे। यह बैठक, पाकिस्तान द्वारा तेहरान और वाशिंगटन को दूसरे दौर की प्रयासों के लिए बातचीत की भेज पर लाने के उद्देश्य से किए जा रहे राजनयिक वार्ताओं के बीच हुई।



## धार्मिक व्यक्ति वही जो व्यवहार से नैतिक भी हो : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। शहर के बन्नीकोप्पा के सरकारी पीयू कॉलेज में गुरुवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि धर्म की बातें करना एवं धार्मिक होने का दिखावा करना सरल है। समय समय पर मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च या मठों में जाना, मत्था टेकना भी कठिन नहीं है, लेकिन दूसरों के प्रति अपने व्यवहार और विचारों में नैतिक रहना मनुष्य की सबसे बड़ी परीक्षा है। नैतिक मूल्यों का जतन अंतर्मन की स्वीकृति है। बाह्य जगत की परिस्थितियों, मनुष्य का स्वभाव और व्यवहार अक्सर नैतिक मूल्यों पर हावी हो जाते हैं। अच्छे अच्छे

लोग वहां फिसल जाते हैं। जैनाचार्य ने कहा कि विमल और विकट परिस्थितियों में मनुष्य के धार्मिक होने की बात दांव पर लग जाती है। जब धर्म के उपदेश और नैतिक मूल्यों को छोड़कर हम तत्कालीन स्वार्थ या लाभ का आकलन करने बैठ जाते हैं, इसलिए भगवान महावीरस्वामी ने कहा है कि धार्मिकता और नैतिकता भिन्न-भिन्न नहीं हो सकती। धार्मिक वही हो सकता है जो अपने जीवन में नैतिक भी हो। विभिन्न रूपों में धर्म की आराधना-उपासना करना, अपने-अपने धर्म के प्रतीकों, त्योहारों, मान्यताओं को लेकर चलना सर्वथा अलग तथ्य है। दूसरी ओर अपने विचारों, कार्यों, व्यवहारों और नीतियों से प्रामाणिक, सरल, शांत, दयालु, सद्भावना पूर्ण और पवित्र होना मानवीय जीवन मूल्यों

का द्योतक है। धार्मिक होने का यह जीवंत रचनात्मक रूप है। ऐसी धार्मिकता किसी के लिए समस्या नहीं होती। डॉ. आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि धर्म मनुष्य के जीवन में सार्थक बनना चाहिए। सामने वाले व्यक्ति को हमारे धार्मिक होने की प्रतीति होनी चाहिए। यदि धर्म मनुष्य के जीवन की सात्विकता और परिवर्तन का आधार नहीं बनता है तो उसकी उपयोगिता ही सिद्ध नहीं होगी। फिर तो धर्म सिर्फ प्रतीकात्मक, निष्प्रभावी और जड़तापूर्ण उपक्रम बनकर रह जाएगा। हकीकत में धर्मत्व इस पृथ्वी पर मनुष्य जाति को मिला अमूल्य वरदान है। हमें संप्रदायों और मान्यताओं की संकीर्णताओं से ऊपर उठकर शुद्ध धर्मत्व की रक्षा और उपासना करनी चाहिए।



## श्रेयांस पारणा समिति ने पारणा उत्सव सहयोगियों का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बंगलूरु। स्थानीय एलएनपुरम श्रीरामपुरम स्थित जेपीपी जैन समणी सेंटर में श्रेयांस पारणा समिति द्वारा आयोजित वर्षीय आराधकों के अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव में सेवा देने वाले विभिन्न संघ, संस्थाओं एवं मंडलों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समिति के अध्यक्ष रमेशचंद्र सियाल ने सभी का स्वागत किया। प्रचार प्रसार प्रभारी जेके महावीरचंद्र चोरडिया ने कहा कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभिन्न संघ संस्था और मंडलों की महत्वपूर्ण सेवा रही जिनमें

विशेष उल्लेखनीय रूप से जैन लक्ष्मीनारायणपुरम ट्रस्ट, जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा, सकल जैन युवा संघ एवं मंडल मंजुनाथ नगर, जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन एवं युवा फाउंडेशन, जैन युवक मंडल एवं महिला मंडल हलसूरु, जैन सामूहिक सेवा मंडल, अहम विज्ञान आनंद तीर्थ महिला मंडल, मरुचूर केसरी सेवा समिति, जैन महिला मंडल पैलेस गुडहल्ली, रायचूर संघ बंगलूरु, वर्धमान स्थानकवासी जैन युवा संघ राजाजीनगर, पूनम सामायिक मंडल एलएनपुरम, त्रिशला महिला मंडल एवं बहू मंडल राजाजीनगर, गुरु सातम सामायिक मंडल एवं पूजा मंडल, जैन युवा नारी शक्ति मंडल ट्रस्ट,

अवेश गुरु युवा मंडल, वर्धमान स्थानकवासी जैन युवक मंडल अक्कीपेट, मलेश्वरम जैन युवक मंडल, ब्राह्मी कन्या मंडल, वीर बंड मंडल, विमल शांति महिला मंडल एलएनपुरम, जैन महिला मंडल शिवाजीनगर, वर्धमान स्थानकवासी जैन युवा संघ आदि की अनुकरणीय सेवाएं रही। समिति के पदाधिकारी राजेंद्रकुमार नाहर, भंवरलाल चोरडिया, महावीरचंद्र श्रीश्रीमाल, उत्तमचंद्र कोठारी, महेंद्रकुमार चोरडिया, पदमचंद्र रातडिया, रोशनलाल नाहर, प्रकाशचंद्र टोडरवाल, रमेशकुमार गुगलिया आदि ने संघ, संस्थाओं का सम्मान किया तथा सभी को धन्यवाद दिया।



## अक्कीपेट स्थानक में शिविर समापन पर बच्चों को दिए गए पुरस्कार

बंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अक्कीपेट के तत्वावधान में कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ द्वारा आयोजित ग्यारह दिवसीय बाल शिक्षण संस्कार शिविर का समापन गुरुवार को हुआ। शिविर में 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। समापन समारोह के अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने तत्त्वज्ञान एवं जीवन संस्कार नियमों की प्रस्तुति दी। स्वाध्याय संघ के संयोजक

शांतिलाल बोहरा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जीवन में संस्कारों के साथ मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने की बात कही। मंत्री मीठालाल पट्टया ने स्वाध्याय संघ की गतिविधियों की जानकारी दी। अक्कीपेट संघ के अध्यक्ष नेमीचंद्र सालेचा ने सीखे हुए ज्ञान के पुनरावर्तन से जीवन को उज्वल बनाने के लिए विशेष ध्यान दिलाया। सहमंत्री विनोदकुमार थुरट ने बच्चों के प्रतिक्रमा सीखने का आह्वान

किया। स्वाध्याय संघ द्वारा सभी शिविरार्थियों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए और सभी शिक्षकों का सम्मान किया गया। संघ के कोषाध्यक्ष पारसमल श्रीश्रीमाल, सहकोषाध्यक्ष केवलचंद्र मोदी एवं अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका कविता डेलडिया ने किया। संघ में विराजित महासतीश्री पुनीतज्योतिजी ने मंगल पाठ प्रदान किया।